हिन्दी साप्ताहिक
R.N.I. No. UPHINè2022è83621

जनता का सच

वर्ष 04 अंक 48 | लखनऊ शनिवार 06 दिसम्बर 2025 | पृष्ठ 04 मूल्य 2 रूपया

न्यूज डायरी

विधानमंडल का सत्र 19 से, कार्यक्रम जारी

लखनऊ/ एजेंसी। विधानमंडल का शीतकालीन सत्र के लिए शुक्रवार को कार्यक्रम जारी कर किया गया। प्रमुख सचिव विधानसभा प्रदीप दुबे की ओर से जारी कार्यक्रम के मुताबिक विधानसभा सत्र पूर्वाह्न 11 बजे से शुरू होगा। इसका विस्तृत कार्यक्रम जल्द जारी किया जाएगा। बताया जा रहा है कि विधानमंडल का शीतकालीन सत्र संक्षिप्त होगा। यह तीन से चार दिनों के लिए हो सकता है। सत्र शुक्रवार से शुरू हो रहा है, इसलिए शनिवार और रविवार को स्थगित रहने के बाद सोमवार को 22 दिसंबर को फिर से शुरू होगा।

चार जिला अध्यक्षों को पद से हटाया

पटना/ एजेंसी। चुनाव में दल व गठबंधन के साथ खड़ा नहीं रहने के आरोप में जदयू ने शुक्रवार को अपने चार जिलाध्यक्षों को पदमुक्त कर दिया। जिन जिलों के जदयू जिलाध्यक्षों को हटाया गया है उनके विरुद्ध संबंधित जिले में स्थित विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे जदयू के प्रत्याशियों ने पार्टी को लिखित रूप से शिकायत की थी। जदयू ने बगहा, पूर्वी चंपारण, बेगूसराय व भोजपुर जिले में नए जिला अध्यक्ष की तैनाती कर दी। इन्हें कार्यकारी अध्यक्ष का जिम्मा दिया गया है। बगहा में पूर्व विधायक प्रभात रंजन, पूर्वी चंपारण जिले में रतन सिंह पटेल, बेगूसराय में पूर्व विधान पार्षद भूमिपाल राय तथा भोजपुर में भीम सिंह पटेल को जदयू का जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

जुबीन गर्ग मौत मामले में एसआईटी ने दाखिल की चार्जशीट

नई दिल्ली/ एजेंसी। गायक जुबीन गर्ग की मौत की जांच कर रही विशेष जांच टीम ने शुक्रवार को असम के गुवाहाटी में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में इस मामले की चार्जशीट पेश की। 3500 पन्नों से अधिक की चार्जशीट और सुबूत चार बक्सों में अदालत में लाए गए।

योगी का तोहफा

बाराबंकी में सीएम योगी ने किया किसान पाठशाला का शुभारंभ

संवाददाता

बाराबंकी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शुक्रवार को बाराबंकी में पद्मश्री से सम्मानित किसान रामसरन वर्मा के फार्म हाउस पर रबी सत्र की 8वीं किसान पाठशाला का शुभारंभ करने पहुंचे। सीएम ने 12 प्रगतिशील किसानों और इकई लाभार्थी किसानों का सम्मान किया।

इस मौके पर योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में महज 11 फीसदी भूमि ही खेती योग्य है, लेकिन देश के खाद्यान्न की आपूर्ति अकेले यूपी 21 फीसदी करता है। और ये सम्भव हो पाया, पीएम मोदी के विजन और बीज से बाजार तक की सुविधा जब किसानों तक पहुंची। यही नहीं बीज से बाजार की दूरी को पाटने के साथ ही धरती माता के स्वास्थ्य और पर्यावरण को सुरक्षा भी प्रदान की गई। उत्तर प्रदेश ने पिछले 8 सालों में कृषि विकास की दर को 8।6त्न से बढ़ाकर 17।7त्न पहुंचाया है। वहीं गेंहू उत्पादन में 35 प्रतिशत योगदान यूपी दे रहा है, जो देश में प्रथम है। तकनीक और अच्छी किस्म का बीज किसानों को उपलब्ध हों, इसके लिए प्रदेश में लगातार कार्य हो रहे हैं।

योगी ने कहा, पिछले 8 सालों में हम लोगों ने गन्ना किसानों को □2 लाख 92 हजार करोड़ से अधिक का गन्ना मूल्य भुगतान किया है। उन्होंने कहा 2017 से पहले लागत अधिक थी और अन्नदाता किसानों को लाभ कम होता था। सिंचाई परियोजनाओं की रफ्तार अत्यंत धीमी थी, बिचौलियों का वर्चस्व बना था। आज डीबीटी के माध्यम से पारदर्शी भुगतान हो रहा है, बिचौलिया मुक्त खाद्यान खरीद की व्यवस्था है।

सीएम ने कहा कि आज प्रदेश के अंदर 79 कृषि विज्ञान केंद्र सक्रिय हैं, जिसमें कई कृषि विज्ञान केंद्र तो सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के रूप में कार्य कर रहे हैं। साथ ही बुंदेलखंड के जनपद पहले जल, सिंचाई के लिए तरसते थे। आज पर्याप्त मात्रा में वहां जल संसाधन उपलब्ध है, और अन्नदाता किसान इन सुविधाओं का लाभ भी ले रहे हैं। इसके साथ ही हृष्ठहृक् स्स्त्, ड्रोन दीदीयां ये सभी रोजगार के प्रदेश में सशक्त माध्यम बनें हैं।

बाराबंकी का किसान पहनता है सवा लाख रुपये का चश्मा̄ बाराबंकी के किसान रामसरन खेती की बदौलत मालामाल हैं। वो सवा लाख रुपये का चश्मा पहनते हैं। यही नहीं साल में 50 हजार रुपये से ज्यादा का हवाई सफर भी करते हैं। रामसरन के पास आज बेहतरीन फार्म हाउस है। घर में सभी सुख सुविधाएं हैं। रामसरन 300 एकड़ में सहकारिता आधारित खेती कराते हैं। 2019 में इन्हें पद्मश्री सम्मान से भी नवाजा जा चुका है। उन्होंने टिशू कल्चर से जिले में पहली बार केले की खेती कर सबको हैरान कर दिया था।

इसके बाद रामसरन ने टमाटर, आलू, शिमला मिर्च, स्ट्राबेरी जैसी नकदी खेती कर दिनों दिन तरक्की करते गए। सरकार की योजनाओं का इन्होंने पूरा लाभ उठाया। हरख ब्लॉक के दौलतपुर के रहने वाले रामसरन वर्मा कहते हैं कि किसानों को ऐसी खेती करनी चाहिए जिसकी बाज़ारों में मांग हो।रामसरन कहते हैं कि परम्परागत खेती के साथ साथ नकदी खेती करके खासा मुनाफा कमाया जा सकता है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामसरन का एग्रो फार्म देखा।

कस्तूरबा आवासीय विद्यालय की 8 छात्राएं फूड पॉइजनिंग की शिकार

सीतापुर/ एजेंसी। सीतापुर के रेउसा थाना में एक आवासीय बालिका विद्यालय में गुरुवार की देर रात 8 छात्राओं की तबीयत बिगड़ गई। जिससे विद्यालय हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने सभी छात्राओं को सीएचसी में भर्ती कराया, जहां कुछ छात्राओं की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। विद्यालय प्रशासन के मुताबिक, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय बम्भनावा में गुरुवार देर रात खाना खाने के बाद 8 छात्राओं को पेट मे दर्द, सिर भारी होना और सांस लेने में तकलीफ शिकायत मिली। इसके बाद मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की मदद से सभी छात्राओं को सीएचसी में भर्ती करवाया, जहां 8 छात्राओं की हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

जबरन मीटिंग में घुसे शहबाज

एजेंसी

अश्गाबात। पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ शुक्रवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने के लिए 40 मिनट तक इंतजार करते रहे। जब पुतिन की ओर से शहबाज शरीफ को बुलावा नहीं आया तो वह अपने सहयोगियों के साथ जबरन बैठक में घुस गए।

शहबाज शरीफ तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में चल रही इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने पहुंचे हैं। शहबाज शरीफ की इस हरकत से पाकिस्तान की दुनियाभर में बेइज्जती हो रही है। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि शहबाज शरीफ कुर्सी पर बैठे इंतजार कर रहे हैं। इस दौरान वह अपने नाखून चबाते नजर आ रहे हैं। शहबाज शरीफ बैठक वाले कमरे में गए, लेकिन वहां से 10 मिनट के अंदर ही बाहर आ गए। बताया जा रहा है कि पुतिन और एर्दोगन ने उनसे बात की, लेकिन बहुत खास तवज्जो नहीं दी। गौरतलब है कि तुर्कमेनिस्तान की राजधानी अश्गाबात में चल रही इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में शामिल होने के लिए रूसी राष्ट्रपति पुतिन भी यहां पहुंचे हुए हैं।

10 मिनट में ही कमरे से निकले शहबाज शरीफ

दूसरे वीडियो में शहबाज शरीफ को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के बीच एक कमरे में चल रही बैठक के दरवाजे को जबरन खोलकर अंदर जाते देखा जा सकता है। न्यूज एजेंसी आरटी के मुताबिक 40 मिनट से ज्यादा समय तक रूसी राष्ट्रपति का इंतजार करने के बाद पुतिन और एर्दोगन की बैठक के बीच में शरीफ जबरन घुस गए।

पहली डिजिटल जनगणना के लिए तैयार भारत

11 हजार करोड़ के बजट को कैबिनेट से मंजूरी

एजेंसी

नई दिल्ली। देश में जनगणना 2027 के लिए 11 हजार करोड़ के बजट को कैबिनेट से मंजूरी मिल गई है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी है। उन्होंने बताया है कि केंद्रीय मंत्रिमंडल ने जनगणना 2027 के लिए 11,718 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

अश्विनी वैष्णव ने इस मामले की जानकारी देते हुए बताया कि शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट की बैठक में कुछ अहम फैसले लिए गए। इनमें जनगणना को लेकर भी कुछ महत्वपूर्ण फैसले लिए गए और बैठक में इस प्रकिया के लिए बजट को मंजूरी दी गई। केंद्रीय मंत्री ने बताया, जनगणना के लिए 11,718 करोड़ रुपए का बजट अप्रूव किया गया है। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा कि 2027 में होने वाली जनगणना पहली डिजिटल जनगणना होगी। उन्होंने बताया कि 'जनगणना 2027' दो चरणों में आयोजित की जाएगी, जिसके तहत अप्रैल और सितंबर 2026 के बीच घरों की सूची तैयार की जाएगी। वहीं फरवरी 2027 में जनगणना शुरू हो जाएगी। इसके अलावा जातिगत जनगणना भी इसका हिस्सा होगी।

मंत्री इस सवाल का जवाब दे रहे थे कि क्या जनगणना-2027 के दौरान प्रवासी श्रमिकों और अस्थायी निवासियों की गणना के लिए कोई विशेष प्रावधान किए जा रहे हैं और क्या इसके लिए एक अलग डेटा संग्रह प्रक्रिया प्रस्तावित है। मंत्री ने कहा कि प्रवासन के आंकड़े हर व्यक्ति के जन्म स्थान और अंतिम निवास स्थान के आधार पर एकत्र किए जाते हैं। उन्होंने कहा, ''जनगणना में वर्तमान निवास पर रहने की अवधि और प्रवास के कारण के बारे में भी जानकारी एकत्र की जाती है।''

इससे पहले सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में बताया था किया कि जनगणना 2027 में वर्तमान जगह पर लोगों के रहने की अवधि और प्रवास की वजह से संबंधित प्रश्न भी शामिल होंगे। गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक प्रश्न के लिखित उत्तर में यह जानकारी दी थी।

आज भारतीय सेना को मिलेंगे 491 युवा सैन्य अफसर

एजेंसी

देहरादून। भारतीय सैन्य अकादमी (आइएमए) में शनिवार को पासिंग आउट परेड (पीओपी) का आयोजन किया जाएगा।

थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी बतौर रिव्यूइंग अफसर परेड का निरीक्षण करेंगे और पास आउट हो रहे आफिसर कैडेट की सलामी लेंगे।

वह दिसंबर 1984 में आइएमए से पास आउट हुए थे। अब 41 साल बाद वह उसी ऐतिहासिक मैदान पर बतौर रिव्यूइंग अफसर लौट रहे हैं। अकादमी के एतिहासिक चेटवुड भवन के सामने ड्रिल स्क्वायर पर सुबह परेड शुरू होगी। इसके बाद होने वाली पीपिंग और ओथ सेरेमनी के साथ ही कुल 525 आफिसर कैडेट सेना में शामिल होंगे।

इनमें से 491 युवा सैन्य अधिकारी भारतीय थल सेना को मिलेंगे, जबकि 34 कैडेट 14 मित्र देशों की सेनाओं का हिस्सा बनेंगे। भारतीय सैन्य अकादमी की स्थापना एक अक्टूबर 1932 को हुई थी। अकादमी के पहले बैच से 40 कैडेट पास आउट हुए थे। पिछले नौ दशक में अकादमी ने अपनी प्रशिक्षण क्षमता कई गुणा बढ़ा दी है। खास बात यह है कि जुलाई से यहां महिला कैडेटों का भी प्रशिक्षण शुरू हो चुका है।

शनिवार की परेड के साथ ही आइएमए के नाम देश-विदेश की सेनाओं को साढ़े 66 हजार से अधिक सैन्य अधिकारी देने का गौरव जुड़ जाएगा। इनमें मित्र देशों को दिए गए करीब तीन हजार सैन्य अधिकारी भी शामिल हैं। पासिंग आउट परेड को लेकर सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

65 से ज्यादा आईएएस अधिकारी प्रोन्नत

संवाददाता

लखनऊ। यूपी सरकार ने शुक्रवार को 67 आईएएस अधिकारियों को पदोन्नति दी है। इनमें चार आईएएस अफसरों वर्ष 2001 बैच के शशि भूषण लाल सुशील, अजय कुमार शुक्ला, अपर्णा यू और एसवीएस रंगाराव को सुपरटाइम वेतनमान देते हुए प्रमुख सचिव बनाया गया है। वर्ष 2010 बैच के 19 आईएएस अफसरों को विशेष सचिव से सचिव के पद पर पदोन्नति दी गई है। यह पदोन्नति 1 जनवरी 2026 से प्रभावी मानी जाएगी। प्रमुख सचिव नियुक्ति एवं कार्मिक एम देवराज ने आदेश जारी कर दिया है। आईएएस अफसरों के पदोन्नति के बाद जल्द ही तबादले हो सकते हैं।

वर्ष 2010 बैच के आईएएस अखंड प्रताप सिंह, कुमार प्रशांत, नेहा शर्मा, मोनिका रानी, शंभु कुमार, योगेश कुमार, नितीश कुमार, भवानी सिंह खंगारौत, संदीप कौर, दुर्गाशक्ति नागपाल, रवींद्र कुमार और ओम प्रकाश आर्य को सचिव के पद पर पदोन्नोति दी गई है। इन्हें सुपर टाइम वेतमान 144200-2,18,200 रुपये दिया गया है। के बालाजी, आशुतोष निरंजन व सुजीत कुमार को सचिव के पद पर प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। इन अफसरों को दो साल के अंदर मिड कैरियर प्रशिक्षण प्रोग्राम फेज-4 जरूर पूरा करना होगा। इसी बैच के नगेंद्र प्रताप, दिव्य प्रकाश गिरी, कृष्ण कुमार व सुधा वर्मा को भी सचिव के पद पर पदोन्नति दी गई है।

वर्ष 2013 बैच के 30 अफसरों को सलेक्शन ग्रेड 1,23,100-2,15,900 रुपये दिया गया है। इनमें दिव्या मित्तल, राजकमल यादव, प्रियंका निरंजन, सत्येंद्र कुमार, अपूर्वा दुबे, अनुज सिंह, हर्षिता माथुर, अविनाश कुमार, दीपा रंजन, रमेश रंजन, रवींद्र कुमार मांदड, सैमुअल पाल एन, जितेंद्र प्रताप सिंह, आलोक सिंह, शुभ्रांत शुक्ल, विशाल भारद्वाज, धर्मेंद्र प्रताप सिंह, डा. विजय कुमार सिंह, धीरेंद्र सचान, डा. वंदना वर्मा, प्रेम प्रकाश सिंह, आर्यका अखौरी, सुनील कुमार वर्मा, अनीता वर्मा सिंह, शिशिर, सत्य प्रकाश पटेल, डा. कंचन सरन व रघुबीर शामिल हैं। इसी बैच की चांदनी सिंह को प्रोफार्मा पदोन्नति दी गई है। इन सभी अफसरों को तीन साल के अंदर मिड कैरियर प्रशिक्षण करना अनिवार्य होगा।

वर्ष 2012 बैच के राजेश कुमार त्यागी को सलेक्शन ग्रेड 1,23,100-2,15,900 रुपये दिया गया है। वर्ष 2022 बैच के 13 अफसरों को वरिष्ठ समयमान वेतनमान दिया गया है। ये अधिकारी श्रुति शर्मा, गामिनी सिंगला, उत्कर्ष द्विवेदी, अभिनव जे जैन, डा. दीक्षा जोशी, सुनील कुमार धनवंता, पूजा साहू, रामेश्वर सुधाकर सब्बनवाड, प्रफुल्ल कुमार शर्मा, नेहा बयाडवाल, राममोहन मीन, आलोक प्रसाद कुमार सौरभ शामिल हैं।

उड़द खरीद के लिए 50 केन्द्र खोले जाएंगे

राहत

संवाददाता

लखनऊ। किसानों के लिए बड़ी खुशखबरी है। प्रदेश के 17 जिलों में उड़द खरीद के लिए नेफेड की ओर से 50 क्रय केन्द्र खोले जाएंगे। यहां किसान अपना उत्पाद न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,800 प्रति क्विंटल पर बेच सकेंगे। इसके लिए रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है और खरीद जल्द ही आरंभ की जाएगी। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया गया है कि किसान को उपज बेचने के तीन कार्य दिवसों के भीतर भुगतान सीधे बैंक खाते में हस्तांतरित हो जाए। नेफेड की ओर से चलाई जा रही 'आत्मनिर्भर दाल योजना' के तहत किसानों से 29 जनवरी 2026 तक सीधी खरीद की व्यवस्था की गई है। इससे न सिर्फ उपज का उचित मूल्य सुनिश्चित होगा, बल्कि बिचौलियों की भूमिका भी समाप्त होगी। नेफेड के राज्य प्रमुख रोहित जैमन ने बताया कि प्रबंध निदेशक दीपक अग्रवाल के निर्देशन में पूरी प्रक्रिया को तेज, सरल और किसान-केन्द्रित तरीके से चलाया जा रहा है। जिससे प्रदेश का हर किसान इस योजना का हकदार बने। राजधानी लखनऊ समेत ललितपुर, झांसी, महोबा, जालौन, हमीरपुर, बदायूं, बरेली, हरदोई, उन्नाव, रामपुर, संभल, बुलंदशहर, मुरादाबाद, सोनभद्र, सीतापुर, शाहजहांपुर जिले में खरीद की तैयारी पूरी कर ली गई है। किसान ऐप या निकटतम नेफेड केंद्र पर पंजीकरण करा सकते हैं।

ईडी ने की कई शहरों में छापेमारी

कफ सिरप की अवैध तस्करी का मामला

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोडीन आधारित कफ सिरप की अवैध तस्करी पर प्रहार करते हुए प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को छह शहरों में एक साथ छापेमारी की कार्रवाई शुरू की। मनी लॉन्ड्रिंग जांच के तहत की गई इस कार्रवाई में एजेंसी ने कुल 25 ठिकानों पर तलाशी ली और कई अहम दस्तावेज जब्त किए।

सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार तड़के सुबह श्वष्ठ की टीमें लखनऊ, वाराणसी, रांची, अहमदाबाद, जौनपुर और सहारनपुर में सक्रिय हुईं। लखनऊ में एजेंसी ने इस सिंडिकेट से जुड़े माने जा रहे निलंबित एसटीएफ कांस्टेबल आलोक प्रताप सिंह के आलीशान आवास पर लंबी तलाशी ली। सुशांत गोल्फ सिटी स्थित घर से अधिकारी कई संदिग्ध दस्तावेज, बैंक लेनदेन रिकॉर्ड, डिजिटल डिवाइस और कथित हवाला कनेक्शन से जुड़े कागज़ात अपने कब्जे में ले गए। आलोक प्रताप सिंह इस समय एसटीएफ की हिरासत में है।

उधर, इसी मामले में एक दिन पहले पुलिस ने भगोड़े चल रहे दीपक मनवानी के दो साथियों सूरज मिश्रा और प्रीतम सिंह को गिरफ्तार किया। मनवानी को 11 अक्टूबर को ड्रग विभाग और पुलिस की संयुक्त छापेमारी में बड़ी मात्रा में कोडीन सिरप, टैबलेट, कैप्सूल और इंजेक्शन के साथ पकड़ा गया था। एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा ने बताया कि पूछताछ में मनवानी ने स्वीकार किया था कि अवैध दवाएं वह सूरज और प्रीतम से खरीदकर नशेड़ियों को बेचता था। उसका एक अन्य सहयोगी अरुष सक्सेना अभी भी फरार है। गुरुवार को पुलिस ने सूरज को वीआईपी रोड के पास बैकुंठ धाम से और प्रीतम को बाशाहनगर से दबोचा।

भाजपा विधायक ने ममता बनर्जी को बता डाला ताड़का और 'सुरसा'

अपमान

एजेंसी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री अजय चंद्राकर ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर की गई टिप्पणी के लिए आलोचना की। उन्होंने बनर्जी की तुलना रामायण में वर्णित राक्षसी 'ताड़का' और 'सुरसा' से करते हुए कहा कि उनका राजनीतिक अंत निश्चित है। चंद्राकर ने शुक्रवार को पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा कि बनर्जी को भाजपा या उसके नेतृत्व के खिलाफ अभद्र भाषा का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए।

जब उनसे पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री की ओर से शाह पर की गई टिप्पणी के बारे में पूछा गया, तब उन्होंने कहा,

वह बंगाल के लिए ताड़का और सुरसा हैं। किसी देश के गृह मंत्री पर टिप्पणी करने से पहले सोचना चाहिए। बंगाल को उन्होंने (ममता ने) क्या दिया-यह सोचना चाहिए। माननीय गृह मंत्री ने कहा है कि घुसपैठिये इस देश का प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री तय नहीं कर सकते। ममता जी धमकी नहीं दे सकतीं। वह जमाना लद गया। वह कांग्रेस को धमकी दे सकती हैं कि 'इंडिया' गठबंधन का नेतृत्व मैं करुंगी। भाजपा या भाजपा नेतृत्व को किसी तरह के अपशब्द कहने का उनको कोई अधिकार नहीं है। वह खुद 'ताड़का' और 'सुरसा' जैसी हैं, जिसका (राजनीतिक) वध निश्चित है।

मलयालम एक्ट्रेस शोषण मामले में सभी आरोपियों को 20 साल की कैद

पल्सर सुनी को अतिरिक्त पांच वर्ष की सजा

फैसला

एजेंसी

नई दिल्ली। मलयालम इंडस्ट्री की चर्चित अभिनेत्री के अपहरण एवं यौन उत्पीड़न से जुड़े केस में एर्नाकुलम प्रिंसिपल सेशंस कोर्ट ने सभी दोषियों को 20 साल की सजा सुनाई है। यह फैसला जज हनी एम. वर्गीस ने सुनाया। कोर्ट ने आरोपियों को रेप के इरादे से किडनैपिंग, क्रिमिनल कॉन्सपिरेसी और गैंग रेप का दोषी पाया। हर दोषी पर 50,000 रुपये का फाइन भी लगाया गया है। जुर्माना नहीं देने पर दोषियों को एक साल की अतिरिक्त जेल होगी।

वहीं, इस केस के आरोपी पल्सर सुनी को आईटी एक्ट के तहत पांच साल की अतिरिक्त सजा मिली। यानी पल्सर सुनी को कुल 25 साल की सजा सुनाई गई है। हालांकि, कोर्ट ने साफ किया कि सभी सजाएं एक साथ चलेंगी। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि विजुअल्स वाली पेन ड्राइव की कॉपी इन्वेस्टिगेशन ऑफिसर बैजू पॉलोस के पास सेफ कस्टडी में रखी जाए।

बता दें कि मलयालम इंडस्ट्री के लोकप्रिय अभिनेता दिलीप को साल 2017 के इस यौन उत्पीड़न मामले में सेशन कोर्ट ने निर्दोष मानते हुए बरी किया। इसी के बाद दिलीप के फिर से बहाल कर दिया गया। हालांकि, भाग्यलक्ष्मी स्नश्वस्नग्न समेत बाकी संगठन इस फैसले से खुश नहीं हैं। अभिनेत्री भाग्यलक्ष्मी ने केरल फिल्म कर्मचारी महासंघ से इस्तीफा दे दिया है। साथ ही उन्होंने संगठन पर कई आरोप भी लगाए हैं।

एक्टर दिलीप को किया गया बरी

एक लोकप्रिय अभिनेत्री के यौन उत्पीड़न से जुड़े इस मामले में बीते सोमवार को मलयालम एक्टर दिलीप को बरी किया गया था। मलयालम फिल्म इंडस्ट्री की अभिनेत्री का फरवरी 2017 में कोच्चि में अपहरण और यौन शोषण हुआ। अदालत ने इस मामले में दिलीप के अलावा तीन अन्य लोगों को भी बरी किया। आठ साल से चली आ रही लंबी और जटिल कानूनी प्रक्रिया अब अपने अंतिम चरण में है। बीते 25 नवंबर को इस मामले की सुनवाई पूरी कर ली गई थी और छह लोगों को दोषी ठहराया गया। 12 दिसंबर को दोषियों को सजा सुनाई गई है।

सम्पादकीय

बहुपक्षवाद और भारत

पश्चिमी प्रतिबंधों के बीच रूसी राष्ट्रपति के रूप में भारत का हालिया स्वागत वैश्विक मामलों में रणनीतिक स्वायत्तता के एक साहसिक दावे का संकेत देता है। अमेरिकी टैरिफ दबावों और रूस के विरुद्ध यूरोप के अलगाव अभियान के बावजूद, नई दिल्ली ने गुटीय राजनीति के बजाय स्वतंत्र बहु-पक्षीयता को चुना है। उच्च-स्तरीय पश्चिमी यात्राओं की योजना और वर्ष 2026 में भारत द्वारा ब्रिक्स की अध्यक्षता ग्रहण करने के साथ, सभी वैश्विक शक्तियों के लिये यह संदेश स्पष्ट है– भारत अपनी राह स्वयं तय कर रहा है। यह कूटनीतिक संतुलन उभरती शक्तियों के लिये यह उदाहरण प्रस्तुत करता है कि वे प्रतिस्पर्द्धी गुटों के बीच विविध संबंधों का लाभ उठाते हुए अपने राष्ट्रीय हितों को आगे बढ़ा सकती हैं। भारत कठोर गुटों की तुलना में राष्ट्रीय हित को प्राथमिकता देता है, तथा अधिकतम लाभ उठाने के लिये अमेरिका और रूस जैसी प्रतिद्वंद्वी शक्तियों के साथ एक साथ कार्य करता है। यह सिद्धांत आधारित व्यावहारिकता नई दिल्ली को यूरेशिया के साथ महाद्वीपीय स्थिरता एवं ऊर्जा सुरक्षा बनाए रखते हुए पश्चिम से उन्नत प्रौद्योगिकी प्राप्त करने में सहायता करती है। उदाहरण के लिये, भारत ने प्रतिबंधों के बावजूद वर्ष 2024 में अपने कच्चे तेल का लगभग 40 प्रतिशत रूस से आयात किया, साथ ही आईसीईटी और आर्टेमिस एकॉर्ड्स के माध्यम से अमेरिका के साथ संबंधों को मज़बूत किया। स्वयं को एक विकासात्मक सेतु के रूप में स्थापित करते हुए, भारत ऋण, खाद्य सुरक्षा और जलवायु वित्त पर विकासशील विश्व की चिंताओं के निवारण हेतु सक्रिय रूप से अनुशंसा करता है। इससे इसकी भूमिका निष्क्रिय नियम-पालक से सक्रिय नियम-निर्माता की भूमिका ग्रहण करता है ताकि महाशक्तियों की प्रतिद्वंद्विता में 'ग्लोबल साउथ' के हित हाशिये पर न चले जायें। वाशिंगटन में रणनीतिक साझेदारी से लेन-देन संबंधी दबाव की ओर परिवर्तन, आर्थिक दबाव के बिना स्वतंत्र विदेश नीति विकल्प बनाए रखने की भारत की क्षमता के लिये चुनौती है। यह अंतर्विरोध साझा मूल्यों की सीमाओं को उजागर करता है, जब रूस को अलग-थलग करने जैसे प्रमुख अमेरिकी भू-राजनीतिक हितों को नई दिल्ली द्वारा पूरी तरह से पूरा नहीं किया जाता है। भारत को जी4 (ब्राज़ील, जर्मनी, भारत, जापान) और विकासशील देशों के एल.69 समूह को एकजुट करके संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सुधार के लिये बयानबाजी की मांगों से हटकर आक्रामक पाठ-आधारित वार्ता की ओर बढ़ना चाहिये। भारत की बहुपक्षीयता की नीति कोई कूटनीतिक संतुलन साधने का प्रयास नहीं, बल्कि भू-राजनीतिक तनाव को रणनीतिक अवसर में बदलने की एक सुविचारित रणनीति है। जैसे-जैसे वैश्विक गुट मजबूत होते जा रहे हैं और बहुपक्षवाद कमजोर पड़ता जा रहा है, नई दिल्ली की संतुलित स्वायत्तता यह दर्शाती है कि किस प्रकार उभरती शक्तियाँ किसी की अधीनता के बिना सभी को अपने साथ जोड़ सकती हैं। उभरती वैश्विक व्यवस्था में भारत की विदेश नीति एक सरल सत्य को प्रतिबिंबित करती है– ÷राष्ट्र तब उभरते हैं जब वे पक्ष चुनकर नहीं, बल्कि स्पष्टता और साहस के साथ अपना मार्ग चुनकर आगे बढ़ते हैं।÷ इसी दृष्टिकोण के साथ भारत स्वयं को नई वैश्विक व्यवस्था के एक सेतु, संतुलनकारी शक्ति और तेज़ी से उभरते विश्व-व्यवस्था के नियम-निर्माता के रूप में स्थापित कर रहा है। भारत को अपने प्रवासी समुदाय को केवल सांस्कृतिक राजदूत के रूप में देखने के स्थान पर उन्हें अपने मेज़बान देशों की विधायिकाओं में रणनीतिक दबाव समूहों के रूप में उपयोग करने की आवश्यकता है। औपचारिक प्रवासी परामर्शदात्री समितियों की सुविधा प्रदान करके, भारत इस उच्च कुशल जनसांख्यिकी को वाशिंगटन और लंदन जैसी राजधानियों में अनुकूल व्यापार एवं वीज़ा नीतियों के लिये पैरवी करने के लिये प्रेरित कर सकती है। यह निष्क्रिय सॉफ्ट पावर को सक्रिय स्मार्ट पावर में परिवर्तित कर देता है तथा राजनीतिक अंतर्विरोध के विरुद्ध एक परिष्कृत, विकेंद्रित कूटनीतिक माध्य का निर्माण करता है।

शिक्षा और संस्कार : समाज निर्माण की दो सशक्त आधारशिलाएँ

संस्कार वे जीवन मूल्य हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, बोलचाल, आदतों और आचरण में झलकते हैं। ये परिवार, समाज, परंपरा, संस्कृति और जीवनानुभव से प्राप्त होते हैं। संस्कार व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि ज्ञान का उपयोग किस दिशा में और किस उद्देश्य से करना है। बिना संस्कार के शिक्षा व्यक्ति को केवल बुद्धिमान बना सकती है,

ज्योति पाण्डेय

मानव जीवन के निर्माण में दो तत्व सबसे महत्वपूर्ण माने गए हैं – शिक्षा और संस्कार। शिक्षा व्यक्ति को ज्ञान, समझ, तर्क और कौशल प्रदान करती है, जबकि संस्कार उसे नैतिकता, मानवीयता, व्यवहारिकता और चरित्र के मार्ग पर अग्रसर करते हैं। यदि शिक्षा व्यक्ति को बुद्धिमान बनाती है, तो संस्कार उसे अच्छा इंसान बनाते हैं। दोनों की समन्वित भूमिका ही एक ऐसी पीढ़ी तैयार करती है जो न केवल आत्मनिर्भर और सफल हो, बल्कि समाज और राष्ट्र के विकास में अपना योगदान भी दे सके। शिक्षा केवल पुस्तक आधारित ज्ञान प्राप्त कर लेना नहीं है, बल्कि यह सोचने, समझने और जीवन के निर्णय लेने की क्षमता विकसित करने की प्रक्रिया है। बदलते समय में शिक्षा के अर्थ और दायरे में भी विस्तार हुआ है। आज शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी या करियर बनाना नहीं है; यह व्यक्ति की संपूर्ण बौद्धिक, मानसिक और सामाजिक प्रगति से जुड़ी हुई है। एक शिक्षित व्यक्ति समाज में सकारात्मक परिवर्तन ला सकता है। वह अंधविश्वास, भेदभाव और रूढ़ियों से ऊपर उठकर तार्किक तथा वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाता है। शिक्षा ही वह साधन है जो व्यक्ति को गरीबी, पिछड़ेपन और अशिक्षा की बेड़ियों से मुक्त करती है। राष्ट्र के विकास के लिए भी शिक्षित नागरिक अनिवार्य होते हैं, क्योंकि उनके पास ज्ञान, दक्षता और नेतृत्व की क्षमता होती है। संस्कार वे जीवन मूल्य हैं जो व्यक्ति के व्यवहार, बोलचाल, आदतों और आचरण में झलकते हैं। ये परिवार, समाज, परंपरा, संस्कृति और जीवनानुभव से प्राप्त होते हैं। संस्कार व्यक्ति को यह सिखाते हैं कि ज्ञान का उपयोग किस दिशा में और किस उद्देश्य से करना है। बिना संस्कार के शिक्षा व्यक्ति को केवल बुद्धिमान बना सकती है, लेकिन मानवीय नहीं। संस्कार ही व्यक्ति के अंदर नैतिकता, सहानुभूति, सद्भाव, ईमानदारी, कर्तव्यनिष्ठा और दूसरों के प्रति सम्मान की भावना विकसित करते हैं। संस्कारों से प्रेरित व्यक्ति स्वयं भी ऊँचाइयाँ प्राप्त करता है और अपने आसपास के वातावरण को सकारात्मक बनाने में भी भूमिका निभाता है। शिक्षा और संस्कार एक-दूसरे के पूरक हैं। जिस प्रकार पक्षी के लिए दोनों पंख आवश्यक होते हैं, उसी प्रकार समग्र विकास के लिए शिक्षा और संस्कार दोनों जरूरी हैं। केवल ज्ञान होने पर तथा सही दिशा न होने पर व्यक्ति गलत राह भी पकड़ सकता है। इतिहास में ऐसे कई उदाहरण मिलते हैं जहाँ अत्यधिक ज्ञान और बुद्धिमत्ता का उपयोग विनाश के लिए किया गया। वहीं संस्कारयुक्त शिक्षा से व्यक्ति अपने ज्ञान और कौशल का उपयोग मानव उत्थान और समाज की भलाई के लिए करता है। गाँधीजी ने भी कहा था – ÷सच्ची शिक्षा वही है जो व्यक्ति के चरित्र, मस्तिष्क और शरीर का सर्वांगीण विकास करे। स्पष्ट है कि शिक्षा तभी सार्थक है जब वह अच्छे संस्कारों के साथ जुड़ी हो। संस्कारों की नींव परिवार से रखी जाती है। बच्चे वही सीखते हैं जो वे अपने आसपास देखते हैं। माता-पिता का व्यवहार, उनके शब्द, उनकी आदतें, उनका अनुशासन – ये सभी बच्चे के व्यक्तित्व पर गहरा प्रभाव डालते हैं।

विद्यालय शिक्षा के साथ-साथ संस्कारों का भी महत्वपूर्ण केंद्र है। शिक्षक केवल विषय ज्ञान देने वाला नहीं होता, वह बच्चों को अनुशासन, सहयोग, मेहनत, विनम्रता और राष्ट्रभावना का पाठ भी पढ़ाता है। समाज संस्कृति, परंपरा, इतिहास और मानवीय मूल्यों के माध्यम से व्यक्ति को सामाजिक और नैतिक चेतना प्रदान करता है। यदि परिवार, विद्यालय और समाज तीनों अपने-अपने कर्तव्य सही ढंग से निभाएँ, तो निश्चित ही संस्कारित और शिक्षित नागरिक तैयार होंगे। आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में शिक्षा केवल करियर और प्रतियोगिता की दृष्टि से देखी जाने लगी है। बच्चे और माता-पिता दोनों अंकों और परिणामों की दौड़ में खो गए हैं। नैतिक शिक्षा, चरित्र निर्माण और मानवीय मूल्यों की उपेक्षा होने लगी है। मोबाइल, सोशल मीडिया और इंटरनेट के युग में बच्चों पर आधुनिक संस्कृति के नकारात्मक प्रभाव बढ़ रहे हैं। ऐसे समय में संस्कारों का महत्व और भी बढ़ जाता है, क्योंकि यह सुनिश्चित करते हैं कि तकनीक और आधुनिकता का उपयोग अच्छे कार्यों के लिए हो, न कि मानवीयता और सामाजिक सद्भावना को कमजोर करने के लिए।

शिक्षा व्यवस्था में नैतिक और जीवन मूल्यों से जुड़े विषयों को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। माता-पिता को बच्चों को समय देकर मूल्य आधारित शिक्षा और व्यवहार सिखाना चाहिए। विद्यालयों में पाठ्यक्रम के साथ-साथ गतिविधियाँ, नैतिक कथाएँ और प्रेरक व्यक्तित्वों से परिचय बढ़ाया जाए। समाज में सांस्कृतिक कार्यक्रमों, परंपराओं और उत्सवों को सकारात्मक और शिक्षाप्रद रूप में प्रस्तुत किया जाना चाहिए। जब व्यक्ति अपने ज्ञान के साथ अच्छे मूल्य भी अपनाता है, तब वह समाज के लिए प्रेरणा बनता है और राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। शिक्षा और संस्कार मानव जीवन की दो ऐसी धुरी हैं जिन पर व्यक्ति, समाज और राष्ट्र की भविष्य यात्रा निर्भर करती है। शिक्षा जीवन की प्रगति का मार्ग खोलती है और संस्कार उसे सही दिशा प्रदान करते हैं। यदि आने वाली पीढ़ियाँ शिक्षित भी हों और संस्कारित भी, तो निश्चय ही वे न केवल तकनीकी और आर्थिक रूप से सक्षम होंगी, बल्कि मानवता, समरसता और नैतिकता की भावना से युक्त भी होंगी। इसलिए आवश्यक है कि शिक्षा के साथ संस्कारों का समुचित समन्वय बने रहे, क्योंकि दोनों मिलकर ही अच्छे नागरिक और श्रेष्ठ समाज का निर्माण करते हैं।

ज्योति पाण्डेय बी एड विभाग प्रो रामनाथ पांडेय महिला पी जी कॉलेज मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर

यह लेखक के अपने विचार हैं

ऊर्जा-संकट से बचने लिए जरूरी है ऊर्जा संरक्षण

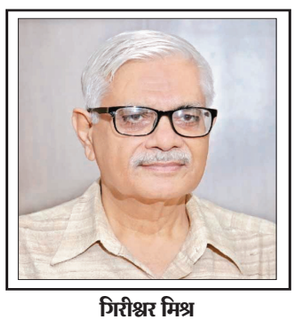

गिरीश्वर मिश्र

ऊर्जा के बिना जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। भौतिक नियम बताता है कि ऊर्जा न पैदा की सकती है न समाप्त; उसका सिर्फ़ रूपांतरण ही होता है। मानव जीवन की सारी गतिविधियाँ इस मायावी ऊर्जा पर ही टिकी हुई हैं। ऊर्जा ही अपना रूप बदल-बदल कर हमारी कल्पनाओं को साकार करती है। सामान्यत÷ अदृश्य-सी रहने वाली ऊर्जा हमारे दृश्य जगत को रचते हुए हर जगह हावी है। ऊर्जा के नए-नए स्रोत खोजे जाते रहे हैं जो आणविक ऊर्जा तक पहुँचे हैं। ईंधन से भोजन बनाने में ही नहीं उसके लिए प्रयोग में आने वाली सामग्री हम तक पहुचे इसके लिए हर कदम पर जरूरी मशीन, उर्वरक, पानी सबके लिए अलग-अलग तरह से ऊर्जा की ज़रूरत पड़ती है। ऐसे ही परिवहन, मौसम से सुरक्षा और वस्तुओं के निर्माण के लिए भी ऊर्जा आवश्यक है। दरअसल, आधुनिक जीवन शैली, पारिस्थितिकी, प्रदूषण और ऊर्जा के उपयोग के प्रश्न आपस में बुरी तरह से गुँथे हुए हैं। विकास के साथ प्रति व्यक्ति ऊर्जा की माँग बढ़ रही है। समृद्ध देशों में जीवन स्तर को उन्नत रखने के लिए अधिकाधिक ऊर्जा चाहिए, उभरते देशों में कृषि अर्थ व्यवस्था से औद्योगिक व्यवस्था की तरफ़ आगे बढ़ने में भी ऊर्जा चाहिए। परंतु यह भी जरूरी है कि उन 80 प्रतिशत लोगों के साथ मिल कर काम किया जाय जिनके पास केवल एक चौथाई संपत्ति है। ऊर्जा की समस्या वैज्ञानिक, तकनीकी, सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक कई जटिल समस्याओं का परस्पर गुँथा समूह है। भारतवर्ष की विशालकाय जनसंख्या और आर्थिक गतिविधि में तेजी के कारण यहाँ ऊर्जा की माँग निरंतर बढ़ती जा रही है। आज भारत विश्व में ऊर्जा की खपत की दृष्टि से तीसरे स्थान पर है। परंतु हमारा बुनियादी ढांचा कमजोर पड़ रहा है जिसके चलते बिजली आपूर्ति में बड़ी बाधा पहुँचती है और उसका दुरुपयोग भी होता है। साथ ही देश में ऊर्जा की ग़रीबी भी बनी हुई है। दुर्बल वर्ग के लोगों को बिजली और अन्य आधुनिक ऊर्जा के संसाधन अभी भी उपलब्ध नहीं हो सके हैं। यह भी गौरतलब है कि जीवाश्म ऊर्जा (फॉसिल फ्यूल) के अत्यधिक उपयोग से कार्बन उत्सर्जन की मात्रा भी तेजी से बढ़ रही है। इसका पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव है और वह ख़तरनाक साबित हो रहा है। भारत की ऊर्जा मुख्यतया जीवाश्म ईंधन यानी कोयला, तेल तथा गैस आदि से उपलब्ध होती है। आज देश में बिजली उत्पादन का 70 प्रतिशत कोयले पर टिका है। आयात और घरेलू आपूर्ति में कमी के चलते यह अब बड़ा मंहगा पड़ रहा है। इस पर निर्भरता, ऊर्जा की बढ़ती मांग, अन्य देशों पर निर्भरता, पुराने क़िस्म का ढाँचा और नवीकरण की संभावना वाले ऊर्जा स्रोतों को अपनाने में धीमी गति ने देश के सामने मुश्किलें खड़ी कर दी हैं। इनसे ऊर्जा-सुरक्षा, विकास के टिकाऊपन और पर्यावरण प्रदूषण से जुड़ी समस्याएं जन्म ले रही हैं। सौर ऊर्जा और पवन ऊर्जा में निवेश तो बढ़ा है फिर भी कच्चे तेल और कोयले के आयात के कारण आर्थिक दबाव बहुत ज़्यादा बना हुआ है। आज आवश्यकता है कि नवीकरणीय ऊर्जा का विस्तार हो और ऊर्जा का कुशलतापूर्वक उपयोग किया जाय। देश को अपने संसाधनों की खोज बढ़ानी होगी ताकि ऊर्जा की दृष्टि से आत्मनिर्भरता का लक्ष्य प्राप्त किया जा सके। बिजली के ट्रांसमिशन और वितरण के नेटवर्क को अविलंब सुधारना होगा ताकि ऊर्जा चोरी और दुरुपयोग की रोकथाम हो सके। विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर ऊर्जा समस्या अगले सौ वर्षों में मानवता की शीर्ष दस समस्याओं में से एक गंभीर समस्या बनेगी। वह मानवता के सम्मुख खड़ी समस्याओं में विकटतम हो रही है। इससे इनकार नहीं किया जा सकता कि पिछले खाड़ी युद्धों और सद्य÷ चल रहे युद्ध की पृष्ठभूमि में ऊर्जा का प्रश्न भी मौजूद है। बढ़ती जनसंख्या से ऊर्जा की ज़रूरतें निरंतर बढ़ रही है। नवीकरणीय ऊर्जा समस्या से निपटने की एक अच्छी युक्ति है। सौर ऊर्जा मानव जाति की सभी ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए पर्याप्त भी है। इस विशाल ऊर्जा स्रोत का दोहन एक समाधान है। ऊर्जा संरक्षण के प्रश्न पर विचार करते हुए कम खर्चीले और प्रदूषणमुक्त ऊर्जा स्रोतों की खोज जारी है। हाइड्रोजन आधारित ऊर्जा के उपयोग की दिशा में प्रगति हुई है। ऊर्जा संकट का एक व्यवहारिक पक्ष भी है। इस संकट का समाधान ऊर्जा-संरक्षण के लिए जरूरी अभ्यास की अपेक्षा करता है। आदतों में बदलाव द्वारा ऊर्जा के उपभोग में कमी लाकर ऊर्जा के दुरुपयोग को नियंत्रित और कम किया जा सकता है। इस दृष्टि से विभिन्न कार्यों के लिए कम ऊर्जा की खपत वाली ऊर्जा-सक्षम तकनीकों का अवलंबन भी कारगार साबित होगा। ऐसे कदम उठाने का पर्यावरणीय लाभ भी मिलेगा। ग्रीन हाउस गैस के उत्पादन पर नियंत्रण होगा और दूसरे प्रदूषकों, जो जलवायु-परिवर्तन को तीव्र करते हैं और प्राकृतिक आवास का क्षरण करते हैं उनसे रक्षा भी होगी। इससे घर या व्यापार हर क्षेत्र में खर्चे में कमी आएगी। ऊर्जा संरक्षण के लिए संसाधन-प्रबंधन की सख़्त ज़रूरत है। हमें वर्तमान ऊर्जा-संसाधनों का विस्तार करना होगा और ऊर्जा-सुरक्षा को सुनिश्चित करना होगा। इन सब उपायों से आयातित ऊर्जा पर हमारी निर्भरता घट सकेगी। वस्तुत÷ ऊर्जा-संरक्षण का लक्ष्य अपने व्यवहार-बर्ताव में बदलाव तथा विभिन्न क्षेत्रों में तकनीकी के विकास द्वारा पाया जा सकता है। उदाहरण के लिए घर में बिजली का उपयोग अपनी आवश्यकता के अनुसार किया जाना चाहिए।

(यह लेखक के अपने विचार है)

सूडोकु नवताल- 7642

सरल

7	8	6		1		5		2
	9			8				3
1			6	9		7		
	3	8	2		1			
2	7	5				6	3	1
			5		7	2	8	
		9		7	4			6
8				2			5	
4		2		5		9	1	7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- *प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.*
- *प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.*
- *पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.*
- *पहेली का केवल एक ही हल है.*

सूडोकु नवताल -7641 का हल

2	9	5	3	1	4	6	8	7
3	6	1	2	8	7	4	9	5
8	4	7	5	9	6	3	2	1
5	7	4	1	6	2	8	3	9
1	3	6	9	4	8	5	7	2
9	8	2	7	3	5	1	4	6
6	2	8	4	7	1	9	5	3
4	5	3	6	2	9	7	1	8
7	1	9	8	5	3	2	6	4

शब्द पहेली - 8705

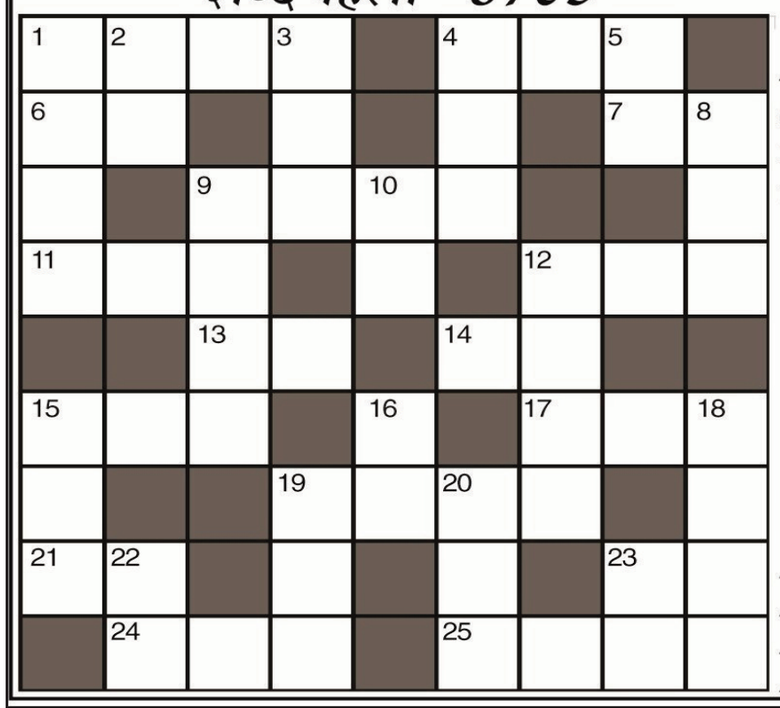

बाएँ से दाएँ

1. रुद्र, शिव, भैरव-4
4. आर्युवेद के जनक-3
6. भीगा हुआ-2
7. ताला (अंग्रेजी-2)
9. शेविंग करना -4
11. योग्य, अनुरूप-3
12. अल्सर-3
13. ज्वालामुखी से निकला गर्म द्रव-2
14. नमाज पढ़ने से पहले हाथ- पांव धोना-2
15. नाप जोख करना-3
17. अनुमान लगाना-3
19. उदारता, बड़प्पन-4
21. गाथा, कहानी -2
23. जनकपुत्री-2
24. जिज्ञासा, उत्साह-3
25. राजा, सम्राट- 4

ऊपर से नीचे

1. इच्छुक, अलमस्त-4
2. मात, पराजय-2
3. बोलने का तरीका-3
4. अचंभित-3
5. आर्ट, हुनर-2
8. गुनाह, अपराध-3
9. अटक-अटक कर बोलना-4
10. सरुर, खुमार, नशा, घमंड-2
12. नजाकत-4
15. अभिनेता, कप्तान-3
16. आनंद बोधक शब्द-2
18. सम्राट, राजा-4
19. व्यंग, परिहास-3
20. मुलायम-3
22. परात, बड़ी थाली-2
23. हलवा, एक मिष्ठान्न-2

शब्द पहेली -8704 का हल

	स	ला	म	त		ल	ल	क
दा	दा		न	म	न			ल
म	चा	न		स	र	फ	रो	श
	र	का	बी		क			या
आ		रा	ज		म	न		त्रा
ल			डा		य	म	ज	
म	नो	मि	ल	न		न	ल	का
गी			ना	र	द		च	र
र	वा	ना		क	र	ता	र	

Jagrutidaur.com, Bangalore

आज का राशिफल

मेष: मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। शुभांक-6-8-9

वृष: आत्मविश्वास बढ़ेगा। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। मांगलिक कार्योंक्रमों का आयोजन होगा। शुभांक-2-5-8

मिथुन: विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। शुभांक-5-7-8

कर्क: पर-प्रपंच में ना पड़कर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कल का परिश्रम आज लाभ देगा। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंग। शुभांक-4-5-7

सिंह: कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी ड्क्षचता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें तो ज्यादा उत्तम है। शुभांक-1-3-6

कन्या: पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। खान-पान में सावधानी रखें। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगें। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। निष्ठा से किया गया कार्य पराक्रम व आत्मविश्वास बढ़ाने वाला होगा। शुभांक-2-4-6

तुला: खान-पान में सावधानी रखें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। व्यापार में प्रगति होगी। अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। शुभांक-5-7-8

वृश्चिक: जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी। पुरुषार्थ का सहारा लें। कार्यसिद्धि होने में देर नहीं लगेगी। आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा। शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। शुभांक-3-5-7

धनु: धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-4-6-8

मकर: समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। अपने हितैषी समझे जाने वाले ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वविवेक से कार्य कर। शुभांक-3-6-9

कुम्भ: हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। यात्रा का योग। जीवन साथी अथवा यार- दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। पूंजी निवेश सोच-समझकर करें। शुभांक-2-4-6

मीन: कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। कार्यक्षेत्र में आगे बढने में रुकावट का एहसास होगा। विरोधियों के सक्रिय होने की संभावना है। शत्रुहानि की आशंका रहेगी। आय के योग बनेंगे। किसी की सफलता से प्रेरित होंगे। शुभांक-1-3-5

संक्षिप्त खबरें

सट्टे की लत से हुआ कर्जदार कारपेंटर ने सुसाइड किया

लखनऊ। राजधानी के पारा थाना क्षेत्र की कुंदन विहार कॉलोनी में शुक्रवार तड़के 58 वर्षीय विजय कुमार लोधी ने आत्महत्या कर ली। उन्होंने घर के पीछे बने टीन शेड में प्लास्टिक की रस्सी से फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, वह कर्ज और आर्थिक तंगी से परेशान थे। पुलिस के अनुसार, मृतक विजय कुमार लोधी पुत्र स्वर्गीय कन्हैया लाल लोधी पेशे से कारपेंटर थे। पिछले कुछ समय से वह आर्थिक तंगी और कर्ज के कारण तनाव में थे। परिजनों ने बताया कि उन्हें सट्टे की लत थी, जिसके कारण उनका कर्ज लगातार बढ़ रहा था। इसी मानसिक दबाव के चलते उन्होंने यह कदम उठाया। घटना की सूचना मिलते ही पारा थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में इसे आत्महत्या का मामला माना जा रहा है, हालांकि पुलिस अन्य सभी पहलुओं की भी पड़ताल कर रही है। घर में मृतक की पत्नी रामजानकी, बेटे विनोद और विवेक, बेटियां ममता और सरिता हैं। परिजनों ने बताया कि विजय कुमार पिछले कई दिनों से शांत रहने लगे थे और अपनी आर्थिक स्थिति को लेकर अत्यधिक तनाव में थे।

मानव अधिकारों को जागरूक करना उद्देश्य

लखनऊ। बांदा में अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस मनाया गया जिसमें मानवाधिकार फोरम की बुंदेलखंड प्रभारी नीलम गुप्ता जिला अध्यक्ष अश्विनी कुमार ओझा ने अंध विद्यालय में बच्चों को स्वेटर वितरण किए ।नीलम गुप्ता ने कहा, समाज को अपने अधिकारों को जानना चाहिए और दूसरों को जागरूक करना चाहिए। मानव अधिकारों को जागरूक करना ही हमारा मुख्य उद्देश्य है जिसमें सही वर्गों को बढ़चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए ,बच्चों के साथ हो रहे अन्यायों और महिलाओं के साथ बढ़ते अपराधों की चिंता व्यक्त की। मानवाधिकार फोरम के कार्यवाहक प्रदेश अध्यक्ष रामपाल प्रजापति ने बच्चों को संविधान में दिए गए अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

मंगल पांडे की बंदूक और पानीपत युद्ध की तोप का पहली बार दिल्ली में प्रदर्शन

लखनऊ। भारत के इतिहास में 'भक्ति' और 'शक्ति' का संगम कराने वाला एक अद्वितीय उत्सव दिल्ली में हो रहा है। 'सेव कल्चर, सेव भारत फाउंडेशन' द्वारा प्रस्तुत तथा 'सनातन संस्था' के तत्वावधान में 'सनातन राष्ट्र शंखनाद महोत्सव' का आयोजन 13 से 15 दिसंबर तक भारत मंडपम नई दिल्ली में किया जा रहा है। महोत्सव में 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के महानायक मंगल पांडे द्वारा उपयोग में लाई गई बंदूक तथा मध्यप्रदेश के राजघराने के मल्हारराव होलकर और क्रांतिसिंह नाना पाटिल द्वारा प्रयुक्त बंदूकें पहली बार दिल्लीवासियों के लिए प्रदर्शित की जाएँगी। पानीपत के युद्ध में प्रयुक्त तोपें और लगभग 1500 दुर्लभ शस्त्रों का भव्य प्रदर्शन भी किया जाएगा। सनातन संस्था के प्रवक्ता श्री अभय वर्तक ने बताया कि यह महोत्सव पराक्रम के तेजस्वी इतिहास और अध्यात्म की चेतना का अनोखा संगम प्रस्तुत करेगा। प्रदर्शनी में छत्रपति शिवाजी महाराज के काल के 1500 से अधिक ऐतिहासिक शस्त्रों का विशाल संग्रह पहली बार प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें शिवाजी महाराज द्वारा स्वयं स्पर्श की गई और सरसेनापति हंबीरराव मोहिते को प्रदान की गई तलवार, ढाल, दांडपट्टा, कट्यार, बंदूकें,और अन्य शस्त्र शामिल हैं। बालक और महिलाओं की सुरक्षा के लिए उपयोग में आने वाले कुछ शस्त्र भी प्रदर्शनी में होंगे। बच्चों को प्रेरित करने हेतु कुछ शस्त्र उन्हें संभालने हेतु दिए जाएंगे, जबकि तोप चलाने का लाइव प्रदर्शन भी होगा। यह प्रदर्शनी 'हाल नंबर 12' में प्रतिदिन सुबह 10 बजे से रात 8 बजे तक जनसाधारण के लिए खुली रहेगी। महोत्सव में एक सहस्र वर्ष से अधिक काल से संरक्षित मूल सोमनाथ ज्योतिर्लिंग के अवशेषों का प्रथम बार सार्वजनिक दर्शन कराया जाएगा। इन्हें गजनी के महमूद द्वारा विध्वंस के बाद पुजारी परिवार ने तमिलनाडु में सुरक्षित रखा था। ये अवशेष कांची कामकोटि पीठ के आशीर्वाद से सनातन संस्था द्वारा प्रदर्शित किए जा रहे हैं।'

वैन ने कक्षा-6 की छात्रा को टक्कर मारी, तोड़ा दम

लखनऊ। राजधानी के सरोजनी नगर में एक सड़क हादसे में कक्षा 6 की छात्रा की मौत हो गई। गुरुवार सुबह स्कूल जाते समय एक तेज रफ्तार ईको वैन ने उसकी साइकिल को टक्कर मार दी थी। गंभीर रूप से घायल छात्रा की शुक्रवार को ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना अमौसी गांव में हुई। मृतक छात्रा की पहचान अमौसी गांव की रहने वाली प्रियांशी सिंह (13) के रूप में हुई। प्रियांशी अमौसी रेलवे स्टेशन के पास श्री विनायक कान्वेंट स्कूल की छात्रा थी। वह रोज की तरह साइकिल से स्कूल जा रही थी, तभी पीछे से आ रही एक ईको वैन ने उसकी साइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि प्रियांशी उछलकर सिर के बल सड़क पर जा गिरी और गंभीर रूप से घायल हो गई। हादसे के बाद ईको वैन चालक वाहन सहित मौके से फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत छात्रा के परिजनों को सूचित किया, जिन्होंने उसे ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया। प्रियांशी सुजीत सिंह की बेटी थी, जो नादरगंज स्थित एक कंपनी में कार्यरत हैं। उसके परिवार में मां कल्याणी और बड़ी बहन शगुन हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है और मामले में आगे की कार्रवाई कर रही है।

आंदोलन से ही देश बचेगाः राकेश टिकैत

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में स्मार्ट मीटर सहित किसानों के कई मुद्दों के विरोध में भारतीय किसान यूनियन ने महापंचायत की। बख्शी का तालाब (बीकेटी) में हुई महापंचायत में हजारों किसान जुटे। भाकियू के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत उन्हें संबोधित किया। राकेश टिकैत ने कहा किसानों की जमीन खरीदने का बड़ा प्लान सरकार ने बना लिया है। यहां फसल दिन में नहीं बिक पाती है और अगर जमीन का सौदा कर दो तो रात में बिक जाएगी। यह सरकार का षडयंत्र है। राजस्थान जैसा संघर्ष यूपी में भी होगा। तैयार रहिए। उन्होंने कहा सरकार 3-4 नए कानून ला रही है। उसमें एक सीड कानून है।

घर में घुसकर गर्लफ्रेंड को मारी गोली

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में सिरफिरे प्रेमी ने युवती को गोली मार दी। वह आधी रात युवती के घर में घुस गया। उसके साथ मारपीट की। घर में रखे सामान तोड़े। उसके बाद युवती को 2 गोली मारी। 1 गोली युवती के कंधे और दूसरी हाथ में लगी। युवती को कमरे में बंद करके स्कॉर्पियो से फरार हो गया। गोली चलने की आवाज और चीख-पुकार सुनकर पड़ोसी मौके पर पहुंचे। युवती को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ नामजद रिपोर्ट दर्ज की है। घटना गुरुवार रात करीब 2 बजे पारा थाना क्षेत्र की है। यहां 21 साल की युवती बड़ी बहन और भांजी के साथ रहती है। उसकी बहन ने बताया- करीब 1 साल से सरोजनी नगर के गौरी बाजार निवासी आकाश कश्यप से छोटी बहन का प्रेम-प्रसंग था। आकाश क्रिमनल प्रवृत्ति और नशे का आदी है। इस वजह से छोटी बहन उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी। आकाश उसे लगातार परेशान कर रहा था और गुरुवार रात में घर में घुसकर गोली मारकर फरार हो गया। पारा थाना क्षेत्र में 21 साल की युवती बड़ी बहन और 7 साल की भांजी व 3 साल के भांजे के साथ किराए के मकान में रहती है। बड़ी बहन ने बताया कि छोटी बहन का 1 साल से आकाश कश्यप के साथ प्रेम-प्रसंग चल रहा था। गुरुवार रात करीब 2 बजे आकाश शराब के नशे में घर आया। धक्का देकर सीधे छोटी बहन के कमरे में घुस गया। विरोध करने कर गाली-गलौज की। मारपीट की। घर का सामान तोड़ दिया। हम लोग डर गए। आसपास के लोगों को बुलाने लगे तब तक आकाश ने तमंचा निकालकर छोटी बहन को गोली मार दी। बड़ी बहन ने बताया छोटी बहन को गोली मारने के बाद आकाश मेरी 7 साल की बेटी की ओर बढ़ा। उसने बेटी को गोली मारने की कोशिश की। बेटी डरकर भाग गई। इसके बाद आकाश ने छोटी बहन को कमरे में बंद कर दिया। दरवाजे में बाहर से कुंडी लगा दी। घर के बाहर खड़ी अपनी स्कॉर्पियो से भाग गया। गोली की आवाज और हम लोगों की चीख सुनकर आसपास के लोग आ गए। पड़ोसियों की मदद से छोटी बहन को लोकबंधु अस्पताल में भर्ती कराया। अस्पताल से ही पुलिस को घटना की सूचना दी। बड़ी बहन ने बताया दोनों बहनें ऑर्केस्ट्रा में काम करती हूं। 1 साल पहले एक इवेंट में छोटी बहन और आकाश की मुलाकात हुई थी। जहां दोनों ने मोबाइल नंबर एक्सचेंज किया था। दोनों में पहले फोन पर बातें होने लगीं, फिर मुलाकातें हुईं। इसके बाद दोनों में प्रेम-प्रसंग शुरू हो गया। बड़ी बहन ने बताया कि छोटी बहन को आकाश के बारे में पता चला कि वह नशा करता है आपराधिक प्रवृत्ति का है। इसके बाद से उसने आकाश से दूरी बना ली। आकाश से बात करनी बंद कर दी। उसका फोन भी नहीं उठा रही थी। आकाश अलग-अलग नंबर से फोन करके परेशान करने लगा। छोटी बहन उससे पीछा छुड़ाना चाहती थी, लेकिन आकाश आए दिन शराब के नशे में उसको परेशान करता था। उसका पीछा करता था। बड़ी बहन ने बताया आकाश 4-5 लोगों के साथ घर के बाहर पहुंचा।

घर के बाहर लगा सीसीटीवी कैमरा तोड़ दिया। उसके बाद अकेले घर में घुस गया। उन्होंने बताया कि घर पर छोटी बहन को गोली मारने के बाद वह भाग गया। बाद में लोकबंधु अस्पताल आया। अस्पताल में भी हंगामा किया। पीड़िता ने बताया आकाश आए दिन मारपीट करता था। उसको मेरा इवेंट में काम करना पसंद नहीं था। उसके कहने पर इवेंट में काम करना बंद कर दिया था। घर की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं होने के चलते फिर से इवेंट का काम करने लगी। इसको लेकर के वह मारता था। सिगरेट से जलाता था। प्राइवेट पार्ट में रिमोट डाल दिया था। रोती रहती थी पर वह बिल्कुल रहम नहीं करता था। पीड़िता ने बताया कुछ समय पहले वह एक इवेंट से घर लौट रही थी। आकाश ने फोन करके पूछा कहां हो, उसको अपनी लोकेशन बताई। वह अपनी गाड़ी से आया और जबरन गाड़ी में बैठ कर नैनीताल ले गया। जहां उसने जबरन संबंध बनाए। घरवालों को बताने तक नहीं दिया। लौट कर आए तो उसके खिलाफ पुलिस में शिकायत करने जा रही थी। इस दौरान आकाश की मां ने हाथ-पैर जोड़कर के रिक्वेस्ट किया कि अब आगे से आकाश कोई गलती और बदतमीजी नहीं करेगा। लखनऊ कमिश्नरेट पुलिस ने इस संबंध में प्रेस विज्ञप्ति जारी की है। उसमें बताया है कि युवती के दाहिने हाथ में गोली लगी है। वह खतरे से बाहर है। आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उसकी तलाश के लिए पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

अपूर्वा सिंह टाइम्स फैशन वीक 2025 शो में करेंगी रैंप वॉक

लखनऊ। लखनऊ की एक्ट्रेस और मॉडल अपूर्वा सिंह, जो दिल्ली में ऑरा मिस इंडिया 2025 की फाइनलिस्ट, ऑरा मिस टैलेंटेड और उत्तर प्रदेश की दूसरी रनर-अप रह चुकी हैं, 14 तारीख को टाइम्स फैशन वीक 2025 (लखनऊ एडिशन) में शो ओपनर के तौर पर रैंप वॉक करेंगी। वह इस मशहूर फैशन वीक में फैशन डिजाइनर शैली दत्ता का कलेक्शन पेश करेंगी। इंटरनेशनल फैशन डायरेक्टर कपिल गोहरी इवेंट को डायरेक्ट करेंगे, जबकि अर्चित बैकस्टेज मैनेजमेंट संभालेंगे। किसी भी मॉडल के लिए शो ओपन करना एक बड़ी कामयाबी मानी जाती है, और अपूर्वा का सिलेक्शन उनके बढ़ते असर, प्रोफेशनलिज्म और स्टेज पर उनकी मजबूत मौजूदगी को दिखाता है। अपूर्वा सिंह ने मॉडलिंग और एक्टिंग में अपनी लगातार परफॉर्मेंस से लखनऊ के फैशन सीन में एक अलग पहचान बनाई है।

राजधानी में लगातार दूसरे दिन घना कोहरा छाया,ठंड और गलन बढ़ी

संवाददाता

लखनऊ। राजधानी लखनऊ में शुक्रवार की सुबह कोहरे की चादर में लिपटी रही। विजिबिलिटी 50 मीटर ही रही, जिससे वाहन चालकों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। यह सीजन का लगातार दूसरा दिन है जब इतना घना कोहरा है। इससे ठंड और लगन बढ़ गई है।

हालांकि दोपहर तक हल्की धूप निकल आई। जिससे ठंढ से लोगों को राहत मिली। रात में न्यूनतम तापमान 11 से0 दर्ज किया गया। अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार, पछुआ हवाओं की एंट्री के कारण कोहरा और गलन दोनों तेजी से बढ़े हैं। गुरुवार सुबह औसत एक्यूआई 183 रिकॉर्ड किया गया, जबकि शाम तक यह 178 था। नवंबर से ही हवा 'यलो और ऑरेंज जोन' में बनी हुई है, जिससे प्रदूषण का स्तर और विजिबिलिटी दोनों प्रभावित हो रहे हैं। दोपहर में हल्की धूप जरूर निकली, लेकिन हवा में ठंडक बरकरार रही। पश्चिमी दिशा से आने वाली ठंडी और शुष्क हवाओं ने रात के तापमान में गिरावट दर्ज कराई। मौसम विभाग के अनुसार अगले 48 घंटों में लखनऊ में ठिठुरन और बढ़ सकती है।

किसान हत्याकांड का छठवां आरोपी गिरफ्तार

संवाददाता

लखनऊ। निगोहां के दखिना गांव के किसान शिव प्रकाश उर्फकबीर हत्याकांड में पुलिस ने छठवें आरोपी दिलीप रावत को गिरफ्तार कर लिया है। इससे पहले मुख्य आरोपी प्रॉपर्टी डीलर सुजीत श्रीवास्तव समेत पांच अन्य आरोपियों को जेल भेजा जा चुका है। किसान कबीर 15 नवंबर से लापता थे। उनके दोस्त सुरेंद्र की तहरीर पर पुलिस ने गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान 16 नवंबर को कबीर का मोबाइल उन्नाव के बीघापुर थाना क्षेत्र के पाटन गांव में संदिग्ध नंबरों के साथ लोकेट हुआ। इसके बाद बीघापुर पुलिस ने एक अधजले शव की बरामदगी की सूचना दी, जिसकी पहचान फोटो के माध्यम से कबीर के रूप में हुई। हत्या की पुष्टि के बाद पुलिस ने टीम गठित कर जांच तेज की।

8 दिसंबर को पुलिस ने मुख्य आरोपी सुजीत श्रीवास्तव, पिंटू रावत, विनोद, लालू उर्फ नीरज कश्यप और राजू उर्फ राजकुमार को गिरफ्तार कर लिया था। इन सभी को घटना में इस्तेमाल की गई दो स्विफ्ट डिजायर कारों के साथ जेल भेजा गया। निगोहां एसओ अनुज कुमार तिवारी ने बताया कि शुक्रवार को नगराम थाना क्षेत्र के ब्राह्मण टोला निवासी दिलीप रावत को देवी खेड़ा पुलिया के पास से पकड़ा गया। पूछताछ में दिलीप रावत ने स्वीकार किया कि 15 नवंबर की शाम उसने ही कबीर को लालपुर टाबर के पास धोखे से बुलाया था। वहां पहले से मौजूद सुजीत और उसके साथियों ने दो कारों में कबीर को जबरन बैठा लिया। आरोपी उन्हें सुदौली मोड़ से लालगंज-डलमऊ ले गए, जहां कार के अंदर ही उनके हाथ-पैर पकड़कर गला दबाकर हत्या कर दी गई। आरोपियों ने शव को उन्नाव के बीघापुर में हाइवे किनारे एक सुनसान खाई में फेंककर पेट्रोल डालकर जला दिया था। पूछताछ में दिलीप ने खुलासा किया कि सुजीत ने हत्या के लिए उसे डेढ़ लाख रुपए देने का वादा किया था, यह कहते हुए कि मृतक के परिवार में कोई पैरवी करने वाला नहीं है। लेकिन वारदात के बाद दिलीप को केवल 20 हजार रुपये ही दिए गए। पुलिस ने आरोपी को जेल भेजते हुए आगे की कार्रवाई तेज कर दी है।

ज्यादा दिन नही चलेगा अन्याय, प्रबंधन नए कनेक्शन पर अधिक वसूली रोके

अवैध वसूली के खिलाफ उपभोकता परिषद की अवमानना याचिका

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद ने पावर कॉरपोरेशन द्वारा बिना विद्युत नियामक आयोग की अनुमति के स्मार्ट प्रीपेड मीटरों की मनमानी लागत की वसूली पर गंभीर आपत्ति दर्ज की है। परिषद के अध्यक्ष एवं इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कोड रिव्यू पैनल सब-कमेटी के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि आयोग ने स्पष्ट रूप से 15 दिन पहले ही यह कह दिया था कि नए कनेक्शनों पर स्मार्ट प्रीपेड मीटर को अनिवार्य कर उपभोक्ताओं से वसूली की जा रही राशि अनुमोदित नहीं है। इसके बावजूद बिजली कंपनियों द्वारा वसूली जारी है, जो अत्यंत अनुचित और अवैध है। उपभोक्ता परिषद में काफी लंबी लड़ाई लड़ी और विद्युत नियामक आयोग के सामने बिजली कंपनियों की पोल खोलते हुए उसे दर का खुलासा किया जो मीटर निर्माता कंपनियों को आरडीएसएस में टेंडर पाने वाले उद्योगपतियों ने दिया था और वह 2630 से 2830 के बीच था। अंततः अब जब आयोग द्वारा प्रस्तावित प्राप्त सामने आ गया है तो निश्चित ही पावर कारपोरेशन को अपनी गलती मान लेना चाहिए।विद्युत नियामक आयोग द्वारा सभी वितरण कंपनियों को प्रस्तावित कॉस्ट डेटा बुक का मसौदा भेज दिया गया है, जिसमें स्पष्ट रूप से उल्लेखित है कि सिंगल फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर 2800,थ्री फेज स्मार्ट प्रीपेड मीटर 4100, इसके विपरीत पावर कॉरपोरेशन उपभोक्ताओं से सिंगल फेज मीटर के लिए 6016, थ्री फेज मीटर के लिए 11,341 की वसूली कर रहा था, जो आयोग की अनुमति के बिना की गई मनमानी और अवैध वसूली है।18 दिसंबर को सप्लाई कोड रिव्यू पैनल सब-कमेटी की बैठक निर्धारित है।

सास ने दामाद को दान करी किडनी

मैक्स हॉस्पिटल, लखनऊ, में दिखाई दी प्रेम और मेडिकल सफलता की अनोखी मिसाल

संवाददाता

लखनऊ। मां जैसी ममता की एक मजबूत मिसाल सामने आई, जब 51-वर्षीय साधना देवी ने अपने 31-वर्षीय दामाद, कमलेश को जीवन देने के लिए अपनी किडनी दान कर दी। कमलेश किडनी फेल्योर के अंतिम चरण से जूझ रहे थे। यह किडनी प्रत्यारोपण लखनऊ के मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, में किया गया और उत्तर प्रदेश में एडवांस्ड किडनी केयर के लिए एक बड़ी उपलब्धि माना जा रहा है, क्योंकि यह सर्जरी अत्याधुनिक दा विंची एक्सआई रोबोट की मदद से हुई। कमलेश लंबे समय से अनियंत्रित हाई ब्लड प्रेशर के कारण गंभीर किडनी डैमेज से पीड़ित थे। तीन साल पहले क्रॉनिक किडनी रोग का पता चलने पर उन्होंने एक अन्य हॉस्पिटल में अपना इलाज शुरू करवाया, लेकिन उनका स्वास्थ्य लगातार बिगड़ता चला गया। इसके बाद परिवार ने लखनऊ के मैक्स हॉस्पिटल का रुख किया और नेफ्रोलॉजी और रीनल ट्रांसप्लांट के एसोसिएट डायरेक्टर - डॉ. वेंकटेश थम्मिशेट्टी से सलाह ली। हॉस्पिटल पहुंचते-पहुंचते उनकी हालत गंभीर हो चुकी थी और किडनी तेजी से जवाब दे रही थी, ऐसे में तुरंत ट्रांसप्लांट ही आखिरी विकल्प बचा था। परिवार में कोई उपयुक्त डोनर नहीं मिला, तो 51-वर्षीय सास साधना देवी ने खुद आगे आकर किडनी दान करने की पेशकश की। हॉस्पिटल की ट्रांसप्लांट टीम ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए दा विंची एक्सआई रोबोट की मदद से रोबोटिक असिस्टेड किडनी ट्रांसप्लांट करने का फैसला किया, जो अपनी सटीकता और बारीक सर्जिकल तकनीक के लिए जाना जाता है। मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, लखनऊ, के डायरेक्टर यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी - डॉ. अदित्य के शर्मा, ने बताया इस मामले में डोनर की उम्र ज्यादा होने के बावजूद हमने बेहद सटीकता और न्यूनतम आघात के साथ सर्जरी की। डोनर को चौथे दिन ही काफी बेहतर हालत में अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, वहीं रिसीपिएंट की रिकवरी भी बेहतरीन रही और आठवें दिन उन्हें भी छुट्टी दे दी गई। यह आने वाले समय की झलक है जब रोबोटिक ट्रांसप्लांट सर्जरी और भी सुरक्षित, सहज और मरीज के अनुकूल होगी।÷ मैक्स अस्पताल, लखनऊ, के डायरेक्टर यूरोलॉजी, एंड्रोलॉजी, किडनी ट्रांसप्लांट और रोबोटिक यूरो-ऑन्कोलॉजी - डॉ. राहुल यादव, ने बताया रोबोटिक असिस्टेड किडनी ट्रांसप्लांट ने हमें बेहद नाजुक प्रक्रियाएं बहुत छोटे चीरे के साथ करने की सुविधा दी। इसमें 3क् में स्पष्ट दृश्य और उपकरणों पर अधिक नियंत्रण मिलता है, जो जटिल सर्जरी में अहम साबित होता है। इससे खून बहने की संभावना कम होती है, जरूरी ऊतकों की सुरक्षा होती है और नई किडनी जल्दी से सही तरीके से काम करने लगती है। डोनर और रिसीपिएंट दोनों की तेज और आरामदायक रिकवरी इस बात का विश्वास और मजबूत करती है कि रोबोटिक ट्रांसप्लांट ही भविष्य है। दा विंची एक्सआई सिस्टम के साथ हम अब उत्तर प्रदेश में ही विश्वस्तरीय ट्रांसप्लांट परिणाम दे पा रहे हैं। मैक्स अस्पताल, लखनऊ, के एसोसिएट डायरेक्टर नेफ्रोलॉजिस्ट और रीनल ट्रांसप्लांट फिजिशियन-डॉ. वेंकटेश थम्मिशेट्टी, ने कहा, हमारा उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि यूपी के मरीजों को जटिल ट्रांसप्लांट सर्जरी के लिए अब बड़े शहरों की यात्रा न करनी पड़े। लखनऊ में रोबोटिक किडनी ट्रांसप्लांट उपलब्ध होने से हम मरीजों को उनके ही क्षेत्र में विश्वस्तरीय विशेषज्ञता दे पा रहे हैं।

एथराइज बैडमिंटन एवं शतरंज चौम्पियनशिप 2025 की लखनऊ में ऊर्जावान शुरुआत

150 स्कूलों के 1,500 खिलाड़ियों ने लिया हिस्सा

संवाददाता

लखनऊ। एथराइज बैडमिंटन एवं शतरंज चौम्पियनशिप 2025 का शुभारंभ आज बीबीडी बैडमिंटन अकादमी, विपिन खंड, गोमती नगर में उत्साहपूर्ण माहौल के बीच हुआ। लखनऊ के सबसे बड़े स्कूल-स्तरीय खेल आयोजनों में से एक माने जाने वाले इस चौम्पियनशिप में 150 से अधिक स्कूलों के 1,500 खिलाड़ियों ने भाग लेकर पहले ही दिन प्रतियोगिता को अत्यंत प्रतिस्पर्धी और ऊर्जा से भरपूर बना दिया। लखनऊ में स्कूल स्पोर्ट्स की बढ़ती संस्कृति को मजबूती देने के उद्देश्य से आयोजित यह चौम्पियनशिप शहर में खेलों के प्रति बढ़ते झुकाव और संरचित प्रशिक्षण की दिशा में हो रहे सकारात्मक परिवर्तन को प्रदर्शित करती है। एथलेटिक्स, बैडमिंटन और शतरंज जैसे विविध खेलों को सम्मिलित करते हुए, यह आयोजन स्वास्थ्य-सचेत, फिट और खेल-उन्मुख युवा पीढ़ी के निर्माण के प्रति शहर की प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उद्घाटन दिवस का मुख्य आकर्षण अंडर-19 गर्ल्स डबल्स श्रेणी का मुकाबला रहा, जिसमें सीएमएस गोमती नगर की आनंदिता श्री और प्रज्ञा यादव ने उत्कृष्ट तालमेल और कौशल का प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक जीता। इसके अलावा, विभिन्न आयु वर्गों में लड़कों और लड़कियों के सिंगल्स व डबल्स के राउंड 1 और राउंड 2 मुकाबले आयोजित हुए, जिनमें कड़े मुकाबले, तेजतर्रार रैलियाँ और उभरते युवा खिलाड़ियों की प्रभावशाली प्रतिभा देखने को मिली। बैडमिंटन और शतरंज की प्रतियोगिताएँ 13 और 14 दिसंबर 2025 को भी जारी रहेंगी, जिनमें सेमीफाइनल और फाइनल मुकाबले शामिल होंगे। उत्तर प्रदेश बैडमिंटन एसोसिएशन द्वारा मान्यता प्राप्त इस चौम्पियनशिप में उच्च स्तरीय ऑफिशियेटिंग और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा सुनिश्चित की गई है, जो एथराइज के युवा खिलाड़ियों में अनुशासन, कौशल और खेल भावना विकसित करने के मिशन को और मजबूत करती है। इससे पहले, 28 नवंबर को पीएसी महानगर में आयोजित एथलेटिक्स संस्करण में 150 स्कूलों के 2,000 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया था। कुल मिलाकर 200 से अधिक स्कूलों के 3,500 छात्रों की भागीदारी के साथ, एथराइज चौम्पियनशिप 2025 लखनऊ के सबसे बड़े मल्टी-स्पोर्ट स्कूल टूर्नामेंट्स में से एक के रूप में उभरा है, जो शहर में युवाओं की खेल सहभागिता में हो रही उल्लेखनीय वृद्धि को दर्शाता है एथराइज एक स्पोर्ट्स डेवलपमेंट और एथलीट परफॉर्मेंस इकोसिस्टम है, जिसका उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अपनी क्षमता पहचानने, अपनी प्रगति को मापने और उत्कृष्टता की दिशा में आगे बढ़ने में सक्षम बनाना है। संरचित प्रतियोगिताओं, डेटा-आधारित विश्लेषण और समावेशी प्लेटफॉर्म के माध्यम से, एथराइज भारत में ग्रासरूट्स खेल संस्कृति को सशक्त बनाते हुए अगली पीढ़ी के चौंपियन तैयार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जूनियर इंजीनियर्स की 4612 रिक्तियों पर केवल डिप्लोमाधारक अभ्यर्थियों के चयन का रास्ता साफ

संवाददाता

लखनऊ। उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ की डिवीजन बेन्च द्वारा उ0प्र0 के विभिन्न अभियंत्रण विभागों के अन्तर्गत आयोग द्वारा विज्ञापित जूनियर इंजीनियर के 4612 पदों पर आवेदन हेतु अनुमति प्रदान करने के लिए डिग्री होल्डर अभ्यर्थियों द्वारा योजित दो रिट याचिकाओं को डिसमिस कर दिया। इसी के साथ पूर्व में दिये गये समस्त अन्तरिम आदेश को भी समाप्त कर दिया। इस प्रकार जूनियर इंजीनियर के 4612 पदों पर अब केवल डिप्लोमा होल्डर अभ्यर्थी ही चयनित हो सकेंगे। न्यायमूर्ति संगीता चन्दा एवं न्यायमूर्ति अमिताभ कुमार राय की डिवीजन बेन्च द्वारा समस्त पक्षों के अधिवक्ताओं को विस्तार से सुनने के उपरान्त इन याचिकाओं में निर्णय पारित किया। डिग्रीधारक अभ्यर्थियों के तरफ से अधिवक्ता श्री अमन ठाकुर तथा डिप्लोमाधारक की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता उपेन्द्र नाथ मिश्रा, अभय प्रताप सिंह, श्रीश कुमार एवं उत्कर्ष कुमार अधिवक्तागण द्वारा अपना पक्ष रखा गया। इसी प्रकार आयोग की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव मेहरोत्रा एवं उत्सव मिश्रा अधिवक्ता द्वारा अपना पक्ष रखा गया। सरकार की तरफ से मुख्य स्थायी अधिवक्ता द्वारा पक्ष रखा गया। उ0प्र0 डिप्लोमा इंजीनियर्स महासंघ एवं बेरोजगार डिप्लोमा होल्डर अभ्यर्थियों की तरफसे प्रभावी पैरवी हेतु इ0 एन0 डी0 द्विवेदी अध्यक्ष, डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ, लो0नि0वि0 उ0प्र0 को अधिकृत किया गया था। उल्लेखनीय है कि उ0प्र0 अधीनस्थ चयन आयोग द्वारा 07 मार्च 2024 को विभिन्न अभियंत्रण विभागों के जूनियर इंजीनियर पद पर सीधी भर्ती हेतु विज्ञापन प्रकाशित किया गया जिसे शुद्धि पत्र के माध्यम से दिनांक 24 जून 2024 को संशोधित किया गया। विज्ञापन के अनुसार विभिन्न अभियंत्रण विभागों यथा लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग, ग्रामीण अभियंत्रण विभाग, उ0प्र0 आवास विकास परिषद, उ0प्र0 सेतु निगम एवं उ0प्र0 प्रोजेक्ट कार्पोरेशन लि0 इत्यादि के कुल 4612 पदों पर भर्ती हेतु आवेदन मांगा गया। जिसमें नियमावली के अनुसार केवल डिप्लोमा होल्डर अभ्यर्थियों को आवेदन हेतु अधिकृत किया गया था। डिग्रीहोल्डर अभ्यर्थियों द्वारा इस विज्ञापन के अन्तर्गत आवेदन करने हेतु दो रिट याचिकायें उच्च न्यायालय खण्डपीठ लखनऊ में योजित की गयी। उच्च न्यायालय द्वारा राहत न मिलने पर डिग्रीधारक अभ्यर्थियों द्वारा मा0 सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अनुमति याचिका दाखिल की गयी। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा अन्तरिम राहत प्रदान करते हुए डिग्रीधारक अभ्यर्थियों को आवेदन करने हेतु अनुमति प्रदान कर दी गयी।

बलिया–प्रांतीय रक्षक–दल के–77–वें–स्थापना दिवस पर पी.आर.डी.के जवानो ने नेता जी सुभाष चंद्र बोस के प्रतिमा पर किया माल्यार्पण'

बलिया–प्रान्तीय रक्षक–दल के –77–वें स्थापना दिवस के पावन पर्व पर पी०आर०डी०वेलफेयर एसोसियेशन के जिलाध्यक्ष कमलेश कुमार पाण्डेय के नेतृत्व में पी०आर०डी०के जवानों ने कलक्ट्रेट परिसर स्थित–नेता जी सुभाष चन्द्र

बोस की प्रतिमा पर माल्यर्पण एवं नमन कर याद किया इस अवसर जिला–पी०आर०डी०वेलफेयर एसोसियेशन के वक्ताओ ने बताया कि–11–दिसम्बर 1935को प्रान्तीय रक्षक दल की स्थापना की गई थी तब से आज तक अल्प मानदेय भोगी होने के बावजूद देश और समाज की सेवा मे लगे हुए।श्री पाण्डेय ने कहा कि हमारे इतने कम मानदेय से परिवार का भरण पोषण न होने के कारण पी०आर०डी० जवान भूखमरी का शिकार हो रहे है।पिछले दिन प्रदेश सरकार सीएम योगी महाराज ने सामान्य कार्य का समान वेतन दिये जाने की घोषणा तो की थी परन्तु उस घोषणा का लाभ प्रदेश के किसी भी पीआरडी के जवानों को नही मिल रहा है।उन्होंने सीएम से तत्काल अपनी घोषणा से पी आरडी के जवानों आछादित्य करने की मांग की है।इस अवसर पर योगेन्द्र सिह,राजेन्द्र कुमार,सुशील राम,रविशंकर,विरेन्द्र सिंह,शेर बहादुर भारती, मुबारक अली, त्रिलोकी गिरि, भोला प्रसाद, चन्द्रशेखर, किरन, सुभावती, पूनम भारती आदि शामिल रहे।

बलिया–बैरिया ब्लॉक के ग्राम–पंचायत चांदपुर भुआल छपरा में किया गया टीकाकरण महोत्सव का उद्घघाटन

रिपोर्ट–राजेश 'महाजन–बलिया'

बलिया–बैरिया–ब्लॉक के ग्राम–पंचायत चाँदपुर(02)भूआल छपरा में दिनांक–10–दिसंबर –2025–दिन बुधवार को 'टीकाकरण महोत्सवष्का उद्घघाटन मुख्य अतिथि–अरविंद कुमार यादव जी (कोटेदार) के द्वारा किया गया, जहां स्वास्थ विभाग की टीम के द्वारा टीका लगाया गया,इस दौरान अनिल यादव (ARO),अजय सिंह, मृतुन्जय कुमार मौर्या(CHO),पिंकी मौर्या(ANM), रेनू मौर्या, किरण देवी, पुष्पा मौर्या, अंकित यादव (छात्र नेता), दिलीप यादव, सुरेश सिंह, जितेंद्र यादव, मुन्ना बारी, पंकज, मनीष, शैलेश यादव जी सहित क्षेत्र के तमाम सम्मानित जनता जनार्दन की गरिमामय उपस्थिति रहीं।

बलिया–धूमधाम से मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन का स्थापना दिवस

बलिया– अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन द्वारा दिनांक–10– दिसम्बर–2025– बुधवार को हनुमानगंज स्थित, स्वास्तिक गार्डेन–में विश्व मानवाधिकार दिवस धूमधाम से मनाया गया कार्यक्रम का शुभारंभ प्रमोद सराफ,जिलाध्यक्ष डा०आर०आर०प्रसाद,डा०विजया वर्मा,तारकेश्वर मिश्र सहित अन्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर किया इस अवसर

पर जिलाध्यक्ष डा०आर०आर०पप्रसाद ने कहा कि साफ सुथरा खाना, शिक्षा तथा सुरक्षा ये सभी मानव के अधिकार है, जिसे सबको मिलना चाहिए। कहा कि जिस तरह से परिवार में माता पिता अपने बच्चों को सिखाते हैं, उन्हें अच्छी बातें बताते हैं ये उनका अधिकार है उसी तरह भारत के संविधान में सबको शिक्षा का अधिकार दिया गया है कहा कि आम आदमी अपने अधिकारों प्रति सजग रहे और दूसरों को भी जागरूक करें विशिष्ट अतिथि विधि सचिव एडवोकेट तारकेश्वर मिश्र ने मानवाधिकार के बारे में विस्तार से बताते हुए लोगों को जागरूक रहने की अपील की इस अवसर पर मंचासीन हनुमानगंज ब्लाक प्रमुख प्रतिनिधि–अनुराग पटेल,एड०राजेंद्र चौधरी,विधि–प्रमुख तारकेश्वर मिश्रा, डा०विजया वर्मा ने अपना विचार रखा कार्यक्रम की अध्यक्षता संगठन के जिलाध्यक्ष डा०आर०आर०प्रसाद व संचालन रामेश्वर प्रसाद वर्मा ने किया इस अवसर पर कार्यक्रम में मीडिया से मु०मुंसिफ जैदी,ष्राष्ट्रीय पत्रकार समर्पण संघष्के राष्ट्रीय,अध्यक्ष–राजेशष्महाजनष (पत्रकार)महिला–प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय, अध्यक्षा–दुर्गा देवी(पत्रकार),राष्ट्रीय, उपाध्यक्षा–शान्ति देवी(पत्रकार),विजय सोनी(पत्रकार), संजय सिंह(पत्रकार)को माल्यार्पण कर सम्मानित किया गया इस अवसर पर डॉ०जे०पी० कुशवाहा, कुसुम देवी, शिवांशु राय,चिन्ता मणी मिश्र, सिकंदर अहमद, प्रसिद्ध नारायण वर्मा,कमला प्रसाद वर्मा,श्री कृष्ण वर्मा दिनेश पासवान,प्रभु जी गुप्ता,विवेक कुमार,सुधा मिश्रा, प्रियंका देवी,आदि उपस्थित रहे।

बलिया–जिला कांग्रेस कमेटी ने केक–काट कर मनाया सोनिया गांधी का जन्म दिन

बलिया–जिला कांग्रेस कमेटी के प्रांगण में पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा त्याग,निष्ठा,सादगी,और समर्पण की प्रतिमूर्ति कांग्रेस संसदीय दल की नेता राज्य सभा सांसद आदरणीय सोनिया गांधी जी की जन्म दिवस बड़ी ही धूमधाम से केक काट कर मनाया गया इस अवसर पर जिला अध्यक्ष उमाशंकर पाठक ने कहा कि आज लोग कुर्सी पाने के लिए किसी भी स्तर तक जाने को तैयार हैं वहीं हमारी नेता श्रीमती सोनिया गांधी जी ने तीन तीन बार प्रधानमंत्री के पद का त्याग कर दिया अगर वह चाहती तो सन् –1991–में ही प्रधानमंत्री की कुर्सी पर आसीन हो गई होती लेकिन श्रीमती सोनिया गांधी ने कांग्रेस के नेताओं को यह अवसर प्रदान किया ऐसे कई अवसर आयें जब इन्होंने पद का त्याग किया। आज श्रीमती सोनिया गांधी जी जैसा कोई पद का त्याग करने वाला या देश के लिए समर्पण करने वाला दुसरा नेता नहीं हैं श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्म दिवस पर अनुपमा सिंह अध्यक्ष जिला महिला कांग्रेस ने पार्टी के महिला कार्यकत्रियों को अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया श्रीमती सोनिया गांधी जी के जन्म दिवस मनाने वालों में प्रमुख रूप से दिग्विजय सिंह,राजेन्द्र चौधरी,संतोष चौबे,ओम प्रकाश तिवारी,जैनेन्द्र पाण्डेय मिंटू,सत्य प्रकाश उपाध्याय मुन्ना,सागर सिंह राहुल,विजेन्द्र पाण्डेय मुखिया, संग्राम तिवारी,रश्मि सिंह,सारिका जायसवाल,अवधेश ठाकुर,अनुभव तिवारी गोलू,सुशील श्रीवास्तव, गिरीश कांत गांधी,अरुण श्रीवास्तव , राहुल चौबे।

बालिया–बाल श्रम मुक्ति अभियान" पर जागरूकता एवं रेस्क्यू कार्यक्रम का आयोजन

बलिया–दिनांक 12/12/2025 को महिला कल्याण विभाग एवं श्रम प्रवर्तन विभाग ,।भ्ज्न बलिया, द्वारा एक जागरूकता एवं रेस्क्यू कार्यक्रम आयोजित किया गया अभियान का मुख्य उद्देश्य बालक एवं बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकार, आत्मनिर्भरता तथा सरकारी सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक करना एवं बाल श्रम की रोकथाम सुनिश्चित करना था दुकानों से 03 किशोर श्रमिकों का रेस्क्यू कार्यक्रम के दौरान विभागीय टीम द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए स्थानीय बाजार की विभिन्न दुकानों पर सेल्सपर्सन के रूप में कार्यरत 3 किशोर श्रमिकों को रेस्क्यू किया गया। रेस्क्यू किए गए बच्चों को नियमानुसार बाल संरक्षण सेवाओं एवं पुनर्वास योजनाओं से जोड़ा जाएगा प्रतिभागी एवं नेतृत्व कार्यक्रम की अध्यक्षता श्री जितेन्द्र कुमार,श्रम परिवर्तन अधिकारी द्वारा की गई। इस अवसर पर एएचटीयू से श्री जितेन्द्र कुमार पाठक (उप निरीक्षक) श्री विजय यादव (हेड कांस्टेबल), सुश्री अंजली सिंह (जिला मिशन समन्वयक), सुश्री निकिता सिंह (जेंडर विशेषज्ञ), श्री प्रवीण कुमार श्रीवास्तव (वरिष्ठ सहायक),श्री विकास यादव (कंप्यूटर ऑपरेटर) तथा श्री अनिकेत गुप्ता (नव भारतीय नारी विकास समिति सहित टीम के अन्य सदस्यों ने सक्रिय सहयोग किया कार्यक्रम में प्रमुख बिंदुओं पर चर्चा अभियान के अंतर्गत निम्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई बाल श्रमिकों का रेस्क्यू,पुनर्वास एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया बाल श्रम, मानव तस्करी, साइबर अपराध एवं बाल विवाह के दुष्प्रभाव महिला एवं बाल सुरक्षा हेतु प्रमुख हेल्पलाइन नंबररू 1090, 181, 112, 1098 विशेषज्ञों ने बताया कि "मुक्ति अभियान" का मुख्य लक्ष्य है बच्चों को भय, हिंसा और शोषण से मुक्त कर सुरक्षित एवं सशक्त बनाना, ताकि वे शिक्षा प्राप्त कर आत्म विश्वास के साथ समाज में अपनी भूमिका निभा सकें समापन कार्यक्रम के अंत में सभी उपस्थित नागरिकों एवं व्यापारियों से अपील की गई कि वे बाल श्रम उन्मूलन, महिला सुरक्षा और सशक्तिकरण के संदेश को समाज में फैलाने में सहयोग करें तथा मिशन शक्ति की इस पहल को सफल बनाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएँ

बलिया–जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया एवं राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय,प्रयागराज के मध्य हुआ एम.ओ.यू.

जे.एन.सी.यू. बलिया में खुलेगा क्षेत्रीय एवं अध्ययन केंद्र

बलिया–जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के बीच बुधवार को एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञाप (एमओयू) सम्पन्न हुआ। इसके अंतर्गत जेएनसीयू परिसर में राजर्षि टंडन मुक्त विवि के क्षेत्रीय केंद्र व अध्ययन केंद्र स्थापित किए जाने पर सहमति बनी। इस क्षेत्रीय केंद्र से बलिया के अतिरिक्त मऊ और आज़मगढ़ के भी अध्ययन केंद्र जुड़े रहेंगे। इस केंद्र का लाभ निकटवर्ती बिहार के विद्यार्थियों को भी प्राप्त होगा। इस एमओयू के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालयों के विद्यार्थी, शोधार्थी एवं प्राध्यापक शिक्षा, शोध और नवाचार की गुणवत्ता को बढ़ाने हेतु एक–दूसरे के शैक्षणिक संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे। समझौते के अंतर्गत दोनों विश्वविद्यालय क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुरूप अंतर–अनुशासनात्मक शोध परियोजनाओं पर संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। शोध एवं अध्यापन के उद्देश्य से प्राध्यापक लघु एवं दीर्घ अवधि के लिए परस्पर एक–दूसरे के विश्वविद्यालय में सेवाएँ दे सकेंगे, जिससे विषय–विशेषज्ञता का लाभ दोनों संस्थानों की अकादमिक प्रगति में संभव होगा। दोनों विश्वविद्यालय

सांस्कृतिक गतिविधियों के आदान–प्रदान को भी बढ़ावा देंगे, जिससे न केवल क्षेत्रीय संस्कृति के संरक्षण और प्रसार को नई ऊर्जा मिलेगी, बल्कि विद्यार्थियों व प्राध्यापकों के मध्य बेहतर समन्वय भी स्थापित होगा बलिया परिसर में आयोजित संवाद कार्यक्रम में जेएनसीयू के कुलपति प्रो. संजीत कुमार गुप्ता और राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. सत्यकाम ने विद्यार्थियों से संवाद किया। प्रो. सत्यकाम ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा पद्धति परम्परागत शिक्षा पद्धति की प्रतिस्पर्धी नहीं बल्कि परिपूरक है।

इससे विद्यार्थियों को विभिन्न पाठ्यक्रमों का विकल्प मिलेगा। वे अपनी अधूरी शिक्षा इस माध्यम से पूरी कर सकेंगे। एनइपी के नये नियमों के अनुसार विद्यार्थी एक साथ एक डिग्री नियमित और एक दूरस्थ शिक्षा से ले सकते हैं। इस अवसर पर प्रो. संजीत गुप्ता ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सहयोग न केवल दोनों विश्वविद्यालयों, बल्कि उनके संपूर्ण क्षेत्रीय विकास के लिए भी अत्यंत लाभकारी सिद्ध होगा। कहा कि बलिया और प्रयागराज की भाषिक, सामाजिक और सांस्कृतिक निकटता विद्यार्थियों को सहज रूप से दूसरे विश्वविद्यालय की सुविधाओं का लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन डॉ. अजय चौबे, संचालन डॉ. प्रमोद शंकर पाण्डेय एवं धन्यवाद ज्ञापन प्रो. देवेश रंजन त्रिपाठी ने कियाइस अवसर पर राजर्षि टंडन विवि के कुलसचिव कर्नल विनय कुमार, डॉ०प्रेम प्रकाश कुशवाहा,जे०एन०सी०यू०की शैक्षणिक निदेशक डॉ०पुष्पा मिश्रा,डॉ०नीरज सिंह,डॉ० संजीव कुमार, प्रो०अशोक सिंह आदि प्राध्यापक, विद्यार्थी एवं विभिन्न अध्ययन केंद्रों के समन्वयक उपस्थित रहे

बेटियों को शिक्षित करना विवि का उद्देश्यरू प्रेसवार्ता में बोले कुलपति

कार्यक्रम के बाद आयोजित पत्रकार वार्ता में कुलपति प्रो. सत्यकाम ने कहा कि राजर्षि टंडन विवि का लक्ष्य युवाओं को रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करना है। विद्यार्थी अपनी अधूरी शिक्षा विवि से पूरी कर सकते हैं। विद्यार्थियों को उपस्थिति की चिंता नहीं करनी है। उन्हें अध्ययन सामग्री, अंकपत्र, डिग्री सब घर पर उपलब्ध होगी। केवल उन्हें परीक्षा देने परीक्षा केंद्र जाना होगा। इसलिए वे संरक्षक जो अपनी बेटियों को पढ़ने के लिए कॉलेज भेजने में असुविधा महसूस करते हैं, वे चिंतामुक्त हो अपनी बेटियों को राजर्षि टंडन विवि से पढ़ा सकते हैं। मेरा यही उनसे निवेदन है कि अपनी बेटियों को पढ़ाएं विवि एकल विषय से स्नातक की भी सुविधा देता है, जिससे विद्यार्थियों को विषयों का काम्बिनेशन बनाने में मदद मिलती है जो आगे टीजीटी जैसी परीक्षाओं में जरूरी होता है।

बलिया–जिले में शुरू हुई 69वीं राष्ट्रीय विद्यालयी कुश्ती प्रतियोगिता, उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने किया शुभारंभ

बालिया–हर गांव में मिनी स्टेडियम,यू०पी०में खेल बजट कई गुना बढ़ारू यह बातें उप–मुख्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने कही अंडर–17 की देश की सबसे बड़ी कुश्ती प्रतियोगिता बलिया में शुरू किया गया वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में सोमवार को–69– वीं राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती फ्री–स्टाइल प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ किया गया। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की और देशभर से आए खिलाड़ियों के साथ ध्वजारोहण कर सलामी दी। उन्होंने खिलाड़ियों को शपथ दिलाकर प्रतियोगिता के औपचारिक उद्घाटन की घोषणा की। परिवहन मंत्री ने उपमुख्यमंत्री को साल एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। साथ ही उपमुख्यमंत्री ने गुब्बारा एवं सफेद कबूतर उड़ाए

उपमुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में बलिया की ऐतिहासिक और क्रांतिकारी विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि भृगु बाबा की इस धरती पर देश के कोने–कोने से आए खिलाड़ियों का स्वागत है। उन्होंने कहा कि इस प्रतिस्पर्धा में–28– राज्यों और 8 केंद्र शासित प्रदेशों से आए 800 से अधिक खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं, जो इसे देश की सबसे बड़ी अंडर–17 राष्ट्रीय प्रतियोगिता बनाता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह प्रतियोगिता युवा प्रतिभाओं को राष्ट्रीय स्तर पर अपने कौशल दिखाने का अवसर देती है। उन्होंने बलिया की आजादी की लड़ाई में अग्रणी भूमिका का उल्लेख करते हुए 1857 के नायकों, 1942 के आंदोलन और जयप्रकाश नारायण जैसे महान नेताओं को भी याद किया उप–मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश और प्रदेश में खेलों को नई दिशा मिली है। उत्तर प्रदेश में खेल बजट कई गुना बढ़ाया गया है, हर गांव में मिनी स्टेडियम बनाए जा रहे हैं, और खिलाड़ियों को बड़े पदोंकृजैसे तहसीलदार, नायब तहसीलदार, आरटीओ पर सीधी भर्ती देकर सम्मानित किया जा रहा है। उन्होंने खिलाड़ियों को संदेश देते हुए कहा कि खेल में हार–जीत से ज्यादा जरूरी है खेल भावना और देश के लिए खेलने का उत्साह। उन्होंने उम्मीद जताई कि बलिया की ऊर्जा लेकर यहां के खिलाड़ी भविष्य में अंतरराष्ट्रीय मंच पर देश का परचम लहराएंगे। साथ ही सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार हर परिस्थिति में खिलाड़ियों और युवाओं के साथ खड़ी है परिवहन मंत्री दयाशंकर सिंह ने कहा कि

बलिया पहली बार बना राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता का मेजबान और कहा कि खिलाड़ी बलिया से लेकर जाएंगे अविस्मरणीय स्मृतियाँ और प्रतिभागियों एवं अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि बलिया पहली बार राष्ट्रीय स्तर की किसी खेल प्रतियोगिता की मेजबानी कर रहा है, जो जिले के लिए गौरव का क्षण है। यह धरती ऋषि–मुनियों, क्रांतिकारियों और राष्ट्रीय नेताओं की धरती है। साथ ही देशभर से आए बालक–बालिका खिलाड़ियों को बलिया की बागी धरती की ओर से शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केंद्रीय शिक्षा विभाग और उत्तर प्रदेश सरकार ने बलिया को पहली बार राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता की मेजबानी के लिए चुना है, जो जिले के लिए ऐतिहासिक अवसर है। उन्होंने कहा कि गंगा और सरयू के बीच बसने वाला यह पवित्र क्षेत्र सदियों से क्रांतिकारी और आध्यात्मिक परंपराओं का केंद्र रहा है। साथ ही बलिया छोटा शहर जरूर है, लेकिन यहां के लोगों का दिल बड़ा है। परंतु बलियावासी पूरे मन से खिलाड़ियों और अतिथियों का स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने खेलों को नई दिशा दी है। आज उत्तर प्रदेश में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को एसडीएम, सीओ, आरटीओ जैसे बड़े पदों पर सीधी नियुक्ति दी जा रही है। खेल बजट में बढ़ोतरी और खेल सुविधाओं के विस्तार से युवाओं को बेहतर मंच मिल रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले पांच दिनों तक चलने वाली यह प्रतियोगिता सफल होगी और खिलाड़ी बलिया से सुंदर स्मृतियाँ लेकर अपने–अपने राज्यों को लौटेंगे जिले में राष्ट्रीय कुश्ती प्रतियोगिता का आगाज़–44–टीमों के–880– खिलाड़ी उतरेंगे दांव पर वीर लोरिक स्पोर्ट्स स्टेडियम में–8–से–12– दिसंबर तक आयोजित होने वाली राष्ट्रीय विद्यालय कुश्ती प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ सोमवार को हुआ। उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक ने मंत्रोच्चार के बीच नारियल फोड़कर कुश्ती अखाड़े का विधिवत उद्घाटन किया और प्रतियोगिता का शुभारंभ कराया।

इस प्रतियोगिता में देशभर के 28 राज्यों, 8 केंद्र शासित प्रदेशों और 8 अन्य यूनिट की कुल 44 टीमें भाग लिया। कुल 440 बालक और 440 बालिका खिलाड़ी अपना दमखम दिखाए। इसके अतिरिक्त 220 कोच और मैनेजर भी टीमों के साथ बलिया पहुंचे हैं प्रथम मुकाबले में दिल्ली, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के खिलाड़ी आमने–सामने शुभारंभ के बाद पहले मुकाबले में बालक वर्ग के–65–किग्रा भार वर्ग में दिल्ली और तेलंगाना के खिलाड़ी आमने–सामने हुए वहीं बालिका वर्ग में 57 किग्रा भारवर्ग में दिल्ली और आंध्रप्रदेश की प्रतिभागी खिलाड़ियों ने हाथ मिलाकर मुकाबले की शुरुआत की। इस राष्ट्रीय प्रतियोगिता में दिल्ली, गुजरात, तेलंगाना, राजस्थान, छत्तीसगढ़, चंडीगढ़, पांडिचेरी, जम्मू– कश्मीर, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, केरल, कर्नाटक, झारखंड, हरियाणा, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, ओडिशा, पंजाब, बिहार, असम, हिमाचल प्रदेश, सीबीएसई, उत्तर प्रदेश सहित नवोदय विद्यालय की टीमों ने प्रतिभाग किया। इस कार्यक्रम में जिलाध्यक्ष संजय मिश्रा, पूर्व जिलाध्यक्ष जयप्रकाश साहू, मुख्य विकास अधिकारी ओजस्वी राज, पुलिस अधीक्षक ओमवीर सिंह, कार्यसामयिक सदस्य नागेंद्र पांडेय, सदस्य महिला आयोग श्रीमती सुनीता श्रीवास्तव, मुक्तेश्वर सिंह, छोटू राम, संयुक्त शिक्षा निदेशक आजमगढ़ मंडल नवल किशोर सिंह, अपर जिलाधिकारी अनिल कुमार, नारद राय, जिला क्रीड़ाधिकारी जवाहरलाल यादव बेसिक शिक्षा अधिकारी मनीष कुमार सिंह, जिला विद्यालय निरीक्षक एवं अन्य अधिकारीगण उपस्थित रहे।

बलिया–राष्ट्र संघ विश्व शांति मिशन के द्वारा विशाल सामूहिक विवाह–समारोह–30–अक्टूबर–2026–को लखनऊ में दहेज.प्रथा के खिलाफ जागरूकता का महाक्रंभ का आयोजन

बलिया–"राष्ट्र संघ विश्व शांति मिशन" के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री विनय कुमार यादव ने प्रेस वार्ता आयोजित की। इस अवसर पर उन्होंने मिशन के आगामी कार्यक्रम–30–अक्टूबर–2026–को लखनऊ के रमाबाई पार्क में आयोजित होने वाले विशाल सामूहिक विवाह समारोह के बारे में विस्तृत जानकारी दी श्री यादव ने कहा कि मिशन के संस्थापक/निदेशक–श्री सुरेंद्र कुमार गुप्ता का मुख्य उद्देश्य समाज के सभी वर्गों के लोगों को प्रेम, एकता और सच्चाई के साथ जोड़ना है उन्होंने बताया कि इस सामुहिक विवाह का प्रमुख लक्ष्य दहेज प्रथा,भ्रूण हत्या, महिलाओं एवं बालिकाओं के प्रति हिंसा जैसी सामाजिक बुराइयों को समाप्त करना है विनय कुमार यादव ने कहा "दहेज प्रथा हमारे घरों में अशांति का कारण बन रही है। बेटियों,बहनों और बहुओं को आत्महत्या, हत्या और अत्याचार का सामना करना पड़ रहा है। इस विशाल सामूहिक विवाह के माध्यम से हम इन बुराइयों पर लगाम लगाने और समाज में जागरूकता पैदा करने का प्रयास करेंगे समारोह की रूपरेखा के अनुसार–30–अक्टूबर– 2026–को लखनऊ के रमाबाई पार्क में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों और स्थानीय प्रशासन के सहयोग की अपेक्षा की गई है और सहयोग भी प्राप्त हो रहा है कार्यक्रम में दहेज प्रथा को एक सामाजिक बुराई का रूप दिया जाएगा दहेज प्रथा एक ऐसी सामाजिक बुराई है जो हमारे समाज में गहरी जड़ें जमाए हुए है। यह एक ऐसी प्रथा है जिसमें शादी के समय लड़की के परिवार से लड़के के परिवार को धन संपत्ति और अन्य सामान देने की मांग की जाती है। यह प्रथा न केवल लड़की के परिवार के लिए आर्थिक बोझ बन जाती है बल्कि लड़की के जीवन को भी खतरे में डाल देती है दहेज हमारे समाज के लिए एक अभिशाप की तरह है, जो हमें पीछे की ओर ले जा रहा है इसलिए–30– अक्टूबर–2026 को सामुहिक विवाह समारोह में देश भर से जोड़ों का पंजीकरण किया जा रहा है और वे सभी मिलकर हमारे देश को दहेज प्रथा से मुक्त करने का संकल्प ले रहे हैं।

उपरोक्त कार्यक्रम की बैठक का का बैक कर प्रशंसा किए और बोले कि इससे हमारे देश में देश प्रथा खिलाफ महा अभियान है एड० मु०इसरार अहमद प्रधान एवं प्रदेश प्रभारी,अजीत कुमार धुसिया राष्ट्रीय महासचिव,सतीश कुमार, मु०शमीम खान प्रदेश अध्यक्ष,शिव भजन राम, उमेश वर्मा,राहुल यादव,वृजनाथ गप्पू जी,राधामोहन यादव दिनों से वो होली राम विपिन ठाकुर आदि रहे।

डॉ. शक्ति सिंह साधू (प्रधान सम्पादक), डॉ. प्रवीण (प्रबंध सम्पादक), एडवोकेट शैलेन्द्र श्रीवास्तव (कानूनी सलाहकार), राकेश अग्रवाल (जिला ब्यूरो उत्तर प्रदेश) अब्दुल नासिर स्टेट ब्यूरो उत्तर प्रदेश

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक शक्ति सिंह द्वारा राज तरुण आफसेट, एल0जी0एफ0 5–14, अंसल सिटी सेंटर, हजरतगंज, लखनऊ– 226001 से मुद्रित तथा 486/238–डी, डालीगंज, निरालानगर, जनपद लखनऊ–226020 से प्रकाशित।

सम्पादक– शक्ति सिंह मो0 7052608007 नोटः समाचार पत्र से संबंधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ न्यायालय होगा।